सुविचार

|| शब्द में धार नही,
बल्कि आधार होना
चाहिए,
क्योंकि जिन शब्दों
में धार होती है, वो
मन को काटते हैं,
जिन शब्दों में आधार
होता है, वो मन को
जीत लेते हैं। ||

प्रथम न्यूज

PRATHAM NEWS राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

Website: www.prathamnews.in email:- dainikprathamnews@gmail.com

Pratham News
@dainikprathamnews

रबाडा-होल्डर ने किया हैदराबाद के तूफान का काम तमाम ...

» पृष्ठ 7 पर

जालंधर, वर्ष: 16 अंक : 131 | दिनांक : बुधवार, 13 मई 2026 | सम्पादक : विवेक धीर | सम्पर्क: | 97796-00900 | पन्ने- 8 | मूल्यः ₹ 2.00/- | RNI No I PUNHIN/2010/36540

नीट का पेपर लीक, परीक्षा रद्द

CBI करेगी जांच, एग्जाम की नई डेट्स जल्द आएगी

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
12 मई (एएम नाथ)

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी NTA ने 3 मई को हुई NEET 2026 परीक्षा रद्द कर दी है। परीक्षा की नई डेट्स जल्द जारी की जाएंगी। NTA ने कहा है कि केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद परीक्षा रद्द की गई है। मेडिकल के स्नातक कोर्सों में दाखिले से जुड़ी परीक्षा नीट-यूजी (नेशनल एलिजविलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट- अंडर ग्रेजुएट) में गड़बड़ी व कथित पेपर लीक मामले के तूल पकड़ते देख नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने नीट यूजी परीक्षा 2026 को रद कर दिया है।

CBI करेगी जांच

इसके साथ ही पेपर लीक की जांच को CBI को सौंप दिया गया है। नीट (NEET) का पेपर देने वाले लाखों छात्रों को बड़ा धक्का लगा है। फिलहाल अभी तक नई तारीखों के बारे में कुछ नहीं बताया गया है।

NTA ने किया ट्वीट : राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) ने ट्वीट करते हुए जानकारी दी है कि 10 मई 2026 की प्रेस विज्ञप्ति के क्रम में, नीट (यूजी) 2026 के संबंध में लिए गए निम्नलिखित निर्णयों के बारे में उम्मीदवारों, अभिभावकों और आम जनता को सूचित कर रहे हैं। एनटीए ने 8 मई 2026 को विचाराधीन मामलों को संदर्भित किया था। इसके बाद अब परीक्षा को रद कर दिया गया है।

नीट परीक्षा गड़बड़ी पर बरसे विपक्षी नेता

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे और अरविंद केजरीवाल समेत तमाम विपक्षी नेताओं ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा 'नीट-यूजी' में कथित अनियमितता को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि नीट अब परीक्षा नहीं, बल्कि नीलामी बन चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार युवाओं के लिए कुछ नहीं कर रही है। वहीं प्रियंका गांधी भी सरकार पर जमकर बरसीं।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "नीट 2026 के पेपर लीक की खबर सुनी। परीक्षा नहीं - नीट अब नीलामी है। कई सवाल परीक्षा से 42 घंटे पहले व्हाट्सऐप पर बिक रहे थे। 22 लाख से ज़्यादा बच्चे साल भर रात-रात भर आंखें जलाकर पढ़ते रहे और एक रात में उनका भविष्य बाज़ार में सरेआम नीलाम हो गया। उन्होंने कहा कि 'यह पहली बार नहीं है। 10 साल में 89 पेपर लीक, 48 बार दोबारा परीक्षा। हर बार वही वादे, और फिर वही ख़ामोशी।

NEET परीक्षा की 50 लाख में डील

MBBS छात्र के मोबाइल में मिले सबूत, बिहार के नालंदा में 7 आरोपी गिरफ्तार

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
12 मई (ब्यूरो)

पेपर लीक की आशंका के चलते NEET UG 2026 की परीक्षा रद्द कर दी गई है। राजस्थान में SOG के NEET गेस पेपर पर खुलासे के बाद जांच बढ़ी तो कई तथ्य सामने आए। NEET गेस पेपर की कड़ी सीकर से शुरू होकर केरल, महाराष्ट्र और उत्तराखंड के देहरादून तक जुड़ गई। इधर पर बिहार के नालंदा जिले में NEET UG परीक्षा को लेकर बड़ी डील का खुलासा हुआ। जानकारी के मुताबिक, NEET परीक्षा में सॉल्वर को बैठाकर एग्जाम पास कराने के लिए 50-60 लाख रुपये में सौदा हुआ था। जिस पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 7 लोगों को गिरफ्तार किया है, पकड़े गए लोगों में MBBS का छात्र भी शामिल है।

चेकिंग के दौरान पकड़े गए 3 लोग

जानकारी के मुताबिक, NEET की परीक्षा से पहले 2-3 मई की रात को नालंदा जिले में पावापुरी थाना पुलिस चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान दो संदिग्ध गाड़ी आई, जिसे रोककर तलाशी ली गई तो स्कॉर्पियो गाड़ी में नोटों का बंडल मिला। संदिग्ध लगने पर गाड़ी में सवार लोगों से पूछताछ की गई तो बताया गया कि गाड़ी उसके बॉस की है।

रुपये के बारे में सही से जानकारी न दे पाने के कारण दोनों गाड़ी में सवारों तीनों संदिग्ध लोगों को थाने में ले जाया गया है।

MBBS छात्र है गैंग का मुख्य मास्टरमाइंड

राजगीर डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि सुबह जब थाना प्रभारी ने मोबाइल चेक किए तो उसमें बहुत एडमिट कार्ड और NEET परीक्षा के लिए लेनदेन मिले। इसके बाद तुरंत जिस जिले के स्टूडेंट के एडमिट कार्ड थे, उनको सूचना दी गई। सॉल्वर सेंटर पर नहीं पहुंच पाए। तीन व्यक्तियों को पकड़ा गया है। एक एमबीबीएस छात्र अवधेश कुमार है, दूसरा उसका सहयोगी अमन कुमार है। वहीं, जो मुख्य आरोपी उज्जवल राज उर्फ राजा बाबू 2022 बैच का MBBS छात्र है, वह लगातार फेल हो रहा है। सूचना है कि उस पर सीबीआई का भी केस है। वहीं इस गैंग का मास्टरमाइंड है। कुल 2 लाख 95 हजार रुपये मिला है।

संक्षिप्त न्यूज

पंजाब विजिलेंस मुख्यालय पर CBI का छापा

20 लाख रिश्वत में रीडर और बिचौलिया गिरफ्तार, अफसरों में मचा हड़कंप

मोहाली (एएम नाथ)- पंजाब विजीलैंस पर केंद्रीय एजैंसी ने बड़ा एक्शन लिया है। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन (CBI) ने पंजाब में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मोहाली स्थित पंजाब विलीजैंस ब्यूरो मुख्यालय पर छापा मारा है। सोमवार देर रात शुरू हुई यह कार्रवाई मंगलवार सुबह तक जारी है। बताया जा रहा है कि पंजाब विलीजैंस ब्यूरो के खिलाफ सीबीआई 20 लाख रुपये की कथित रिश्वत मांगने के मामले की जांच कर रही है। इस कार्रवाई के बाद पंजाब विजिलेंस ब्यूरो के अंदर हड़कंप मच गया है और कई अधिकारियों की भूमिका जांच के दायरे में आ सकती है।

जानकारी के अनुसार, CBI टीम ने सोमवार रात मोहाली स्थित विजिलेंस दफ्तर में दबिश देकर एक वरिष्ठ विजिलेंस अधिकारी के रीडर ओपी राणा के खिलाफ कार्रवाई की। हालांकि, छापेमारी के दौरान राणा मौके से फरार हो गया। वहीं, कथित बिचौलियों राघव गोयल और उसके पिता विकास गोयल को हिरासत में लेकर बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों मुक्तसर जिले के मलोट स्थित कृष्णा कॉलोनी के निवासी बताए जा रहे हैं। बिचौलिया राघव गोयल भाजपा नेता बताया जा रहा है।

CBI ने चंडीगढ़ के एक पांच सितारा होटल में भी ट्रैप लगाया था। आरोप है कि यहां शिकायतकर्ता से 20 लाख रुपये की रिश्वत को लेकर सौदेबाजी चल रही थी। बताया जा रहा है कि शिकायतकर्ता 13 लाख रुपये की नकदी लेकर पहुंचा था, जिसे CBI ने मौके से बरामद कर लिया। एजेंसी का दावा है कि यह रकम कथित तौर पर रिश्वत के रूप में दी जानी थी।

बिचौलिया गिरफ्तार - CBI अधिकारियों के अनुसार, मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत FIR दर्ज की गई है। FIR में ओपी राणा और राघव गोयल को नामजद किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, राघव गोयल का विजिलेंस विभाग के कुछ अधिकारियों से करीबी संबंध था और उसे पंजाब सरकार की ओर से पुलिस सुरक्षा भी मिली हुई थी।

इस पूरे मामले ने राज्य की भ्रष्टाचार विरोधी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस विभाग की जिम्मेदारी भ्रष्टाचार रोकने की है, उसी विभाग के भीतर कथित रिश्वतखोरी और बिचौलियों के नेटवर्क की बात सामने आने से सरकार और प्रशासन दोनों पर दबाव बढ़ गया है।

रीडर की मिलीभगत - सूत्रों का कहना है कि जांच अब केवल एक रीडर या दो बिचौलियों तक सीमित नहीं रहेगी। CBI अब उन अधिकारियों, कर्मचारियों और कथित एजेंटों की भूमिका की भी जांच कर रही है, जिनके जरिए डील फिक्स कराने का काम किया जाता था। एजेंसी पूरे नेटवर्क की परत-दर-परत जांच कर रही है और आने वाले दिनों में कई और नाम सामने आ सकते हैं। बताया जा रहा है कि CBI को पिछले कुछ समय से इस कथित रिश्वत डील की जानकारी मिल रही थी। इसके बाद एजेंसी ने योजना बनाकर ट्रैप लगाया और कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई के दौरान कथित बिचौलिये राघव गोयल से 13 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। वहीं, फरार बताए जा रहे ओपी राणा की तलाश जारी है। इस कार्रवाई के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं। भाजपा पंजाब के प्रधान सुनील जाखड़ ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि CBI की रेड के बाद अधिकारियों से लेकर मंत्रियों और नेताओं तक में भगदड़ मच गई है। उन्होंने लिखा कि भ्रष्टाचारी बचेंगे नहीं, सभी पकड़े जाएंगे और अब हिसाब का समय नजदीक आ गया है।

असम-बंगाल जीतने के बाद BJP की नई प्लानिंग

नितिन नवीन की नई टीम, मोदी कैबिनेट में फेरबदल, असम में हिमंता का मिशन 2.0 शुरू

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
12 मई (एएम नाथ)

असम में आज तीसरी बार एनडीए की सरकार बन गई। गुवाहाटी में आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और सहयोगी दलों के नेताओं की मौजूदगी में हिमंता बिस्वा सरमा ने चार मंत्रियों के साथ शपथ ली।

असम में हिमंता का मिशन 2.0 शुरू हो गया। इससे पहले 9 मई को कोलकाता में बीजेपी की पहली पश्चिम बंगाल सरकार का शपथ ग्रहण हुआ था। इसी तरह बिहार और उत्तर प्रदेश में भी एनडीए सरकारों का मंत्रिमंडल विस्तार हो चुका है। अब सभी की नजरें बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन पर टिकी हैं कि वे अपनी टीम का गठन कब करते हैं। इसी के साथ केंद्रीय मंत्रिपरिषद में फेरबदल की अटकलें भी तेज हो गई हैं।

कुछ मौजूदा मंत्रियों को हटाए जाने की चर्चा : इस महीने की 26 तारीख को केंद्र में पहली बार मोदी सरकार बनने के 12 साल पूरे हो रहे हैं, जबकि अगले महीने की 9 तारीख को मोदी 3.0 सरकार के दो साल पूरे हो जाएंगे। यदि पिछले दो कार्यकालों पर नजर डालें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल में सरकार गठन के छह महीने बाद नवंबर 2014 में पहली बार मंत्रिमंडल का विस्तार किया था। इसके करीब डेढ़ साल बाद जुलाई 2016 में दूसरा विस्तार हुआ और सितंबर 2017 में पहले कार्यकाल का अंतिम विस्तार किया गया, जिसमें कई मंत्रियों को प्रमोशन मिला। दूसरे कार्यकाल में पीएम मोदी ने जुलाई 2021 में, यानी सरकार बनने के करीब दो साल बाद पहली बार मंत्रिमंडल का विस्तार किया था, जबकि मई 2023 में विभागों का फेरबदल हुआ था। पीएम मोदी ने 9 जून 2024 को तीसरी बार शपथ ली थी और अब दो साल पूरे होने वाले हैं। ऐसे में मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। फिलहाल मंत्रिमंडल में 72 सदस्य हैं, जबकि अधिकतम 81 मंत्री बनाए जा सकते हैं। ऐसे में जहां कुछ नए चेहरों को मौका मिलने की संभावना है, वहीं प्रदर्शन के आधार पर कुछ मौजूदा मंत्रियों को हटाए जाने की चर्चा भी है। माना जा रहा है कि अगले साल होने वाले सात राज्यों के चुनावों को ध्यान में रखते हुए क्षेत्रीय और जातीय संतुलन साधा जाएगा।

नितिन नवीन की टीम के गठन को लेकर भी चर्चाएं शुरू : इसी तरह बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की टीम के गठन को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। माना जा रहा है कि जल्द ही नितिन नवीन अपनी टीम की घोषणा कर सकते हैं। वे 20 जनवरी को पार्टी अध्यक्ष चुने गए थे और पार्टी नेताओं के अनुसार इसके लिए होमवर्क लगभग पूरा हो चुका है। माना जा रहा है कि युवा अध्यक्ष के साथ काम करने के लिए अनुभवी नेताओं के साथ-साथ युवाओं को भी टीम में जगह दी जाएगी, ताकि भविष्य के लिए नेतृत्व तैयार किया जा सके। नितिन नवीन की टीम में 50 साल से कम उम्र के नेताओं को प्राथमिकता मिल सकती है, जबकि कुछ अनुभवी नेता भी इसमें शामिल रहेंगे। टीम गठन में क्षेत्रीय संतुलन के साथ आने वाले चुनावों को भी ध्यान में रखा जाएगा।

राष्ट्रीय महासचिवों के पद पर आएंगे कई नए चेहरे - बीजेपी सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय महासचिवों के पद पर कई नए चेहरों को लाया जा सकता है। इन्हें राज्यों से राष्ट्रीय स्तर पर लाया जाएगा, ताकि नेतृत्व की नई पीढ़ी तैयार हो सके और युवा अध्यक्ष के साथ तालमेल बना रहे। नई टीम में महिलाओं को खास तवज्जो दिए जाने की भी संभावना है, जिससे महिला आरक्षण को लेकर मोदी सरकार की पहल को मजबूती मिल सके।

पंजाब के वरिष्ठ नेता भाजपा छोड़ AAP में हुए शामिल

» प्रथम न्यूज । फाजिल्का
12 मई (ब्यूरो)

पंजाब की राजनीति से इस समय की बड़ी खबर सामने आ रही है। खबर है कि पंजाब में वरिष्ठ नेता भाजपा छोड़ आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए है।

मिली जानकारी के मुताबिक पंजाब के फाजिल्का में वरिष्ठ राजनेता अनिल कुमार सेठी (नीलू) आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने खुद उन्हें पार्टी में शामिल करवाया है।

बता दें कि अनिल कुमार सेठी भाजपा के वरिष्ठ नेता और पंजाब राज्य कार्यकारिणी के सदस्य रहे हैं और फाजिल्का नगर परिषद के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। उन्हें पार्टी में शामिल कराने के बाद सीएम ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट X पर पोस्ट साझा की है।

उन्होंने लिखा कि 'फाजिल्का के वरिष्ठ राजनेता अनिल कुमार सेठी (नीलू) जी ने आम आदमी पार्टी की जनहितैषी नीतियों में विश्वास व्यक्त करते हुए आज पार्टी में शामिल हो गए।

वरिष्ठ भाजपा नेता और पंजाब राज्य कार्यकारिणी के सदस्य रहे तथा फाजिल्का नगर परिषद के अध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके सेठी जी का हमारे साथ जुड़ना यह दर्शाता है कि लोग अब पारंपरिक दलों को छोड़कर विकास की राजनीति में शामिल हो रहे हैं।

इसके आगे उन्होंने लिखा कि 'हम आम आदमी पार्टी परिवार में उनका हार्दिक स्वागत करते हैं और उन्हें आश्वस्त करते हैं कि पार्टी में उन्हें पूरा सम्मान दिया जाएगा। हम सब मिलकर पंजाब की प्रगति के लिए काम करेंगे।

CBI के नए डायरेक्टर पर आज फैसला

पीएम मोदी की अगुवाई में चयन समिति की बैठक

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
12 मई (एएम नाथ)

केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) के नए निदेशक की नियुक्ति को लेकर आज अहम बैठक होने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय चयन समिति शाम को बैठक कर नए निदेशक के नाम पर मुहर लगा सकती है।

24 मई को खत्म हो रहा प्रवीण सूद का कार्यकाल

इस तीन सदस्यीय समिति में प्रधानमंत्री के अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत शामिल हैं।

मौजूदा सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद का कार्यकाल 24 मई को समाप्त हो रहा है। उन्हें पिछले वर्ष एक साल का सेवा विस्तार दिया गया था।

नए निदेशक की दौड़ में कई वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों के नाम सामने आ रहे हैं। इनमें 1990 बैच के हरियाणा कैडर के आईपीएस शत्रुजीत सिंह कपूर को सबसे आगे माना जा रहा है। वे वर्तमान में आईटीबीपी के महानिदेशक हैं और हरियाणा के डीजीपी के रूप में भी काम कर चुके हैं। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में उनका कार्यकाल भी काफी चर्चित रहा है।

इसके अलावा, रॉ प्रमुख पराग जैन का नाम भी प्रमुख दावेदारों में शामिल है, जिनके पास खुफिया और सुरक्षा मामलों का व्यापक अनुभव है। 1989 बैच के मध्य प्रदेश कैडर के अजय कुमार शर्मा, एनआईए प्रमुख सदानंद दाते और 1993 बैच के केरल कैडर के योगेश गुप्ता भी संभावित उम्मीदवारों में गिने जा रहे हैं।

हरियाणा सरकार का बड़ा कदम

युवाओं को अंतरिक्ष विज्ञान से जोड़ने को शुरू होगा स्पेस ट्रेनिंग प्रोग्राम

चंडीगढ़ (ब्यूरो)- हरियाणा सरकार ने युवाओं को अंतरिक्ष विज्ञान और उभरती तकनीकों से जोड़ने के लिए बड़ा कदम उठाया है। राज्य सरकार ने विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और अन्य शिक्षण संस्थानों को निर्देश दिए हैं कि वे छात्रों और शिक्षकों का 'इंडिया स्पेस लैब-समर इंटर्नशिप एवं टेक्निकल ट्रेनिंग प्रोग्राम-2026' में पंजीकरण सुनिश्चित करें। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने सभी प्रशासनिक सचिवों को पत्र लिखकर कहा है कि इंडिया स्पेस लैब द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम छात्रों, शोधार्थियों और शिक्षकों को अंतरिक्ष विज्ञान तथा अत्याधुनिक तकनीकों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

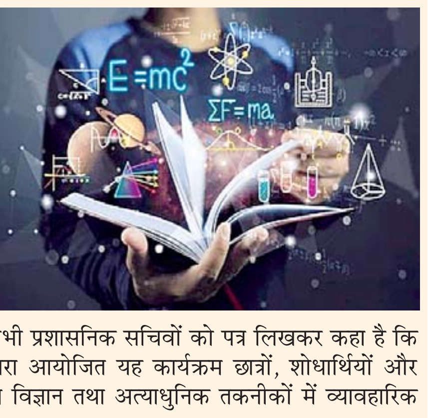

सरकार ने निर्देश दिए हैं कि इस कार्यक्रम का व्यापक प्रचार किया जाए और इसकी जानकारी विभागीय वेबसाइटों तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराई जाए। कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों को एडवांस ड्रोन टेक्नोलॉजी, कैनसैट, क्यूबसैट, रॉकेट्री, रिमोट सेंसिंग, लद्धस, डिजास्टर मैनेजमेंट और अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़े अन्य आधुनिक विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण पूरी तरह ऑनलाइन होगा, जिसमें विशेषज्ञों के लाइव सेशन भी आयोजित किए जाएंगे। सफल प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे।

स्नातक, स्नातकोत्तर और शोधार्थी इस कार्यक्रम में भाग ले सकेंगे। कार्यक्रम दो चरणों में आयोजित होगा और कक्षाएं 17 जून से 4 जुलाई तक चलेंगी। कुल 2315 सीटें निर्धारित की गई हैं, जिनमें दूसरे बैच के लिए 1045 सीटें आरक्षित हैं। पंजीकरण शुल्क 950 रुपये रखा गया है, जबकि प्रशिक्षण के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा।

सरकार का कहना है कि यह पहल युवाओं को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के साथ-साथ रोजगार, अनुसंधान और स्टार्टअप के नए अवसर उपलब्ध कराने में मदद करेगी।

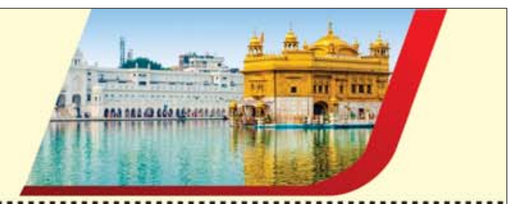

संक्षिप्त न्यूज

भगत रवि शंकर खाद्य एवं सिविल सप्लाईज के चेयरमैन नियुक्त

अमृतसर (साहिब दयाल) आम आदमी पार्टी हल्का पश्चिमी से विधायक डॉ जसबीर सिंह संधू ने मंगलवार को नई नियुक्तियों के आदेश जारी करते हुए आप एससी विंग के जिला प्रधान भगत रवि शंकर को अमृतसर शहरी खाद्य एवं सिविल सप्लाईज का चेयरमैन नियुक्त किया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता एवं आप के विधायक डॉ जसबीर सिंह संधू द्वारा जारी आदेश के अनुसार भगत रवि शंकर को विभाग में शामिल करते हुए चेयरमैन नियुक्त किया गया है। रवि शंकर का कार्यकाल शहर में 159 डिपो के संरक्षण ग्रहण करने की तारीख से अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। भगत रवि शंकर ने आप विधायक डॉ जसबीर सिंह संधू तथा आप हाईकमान का आभार व्यक्त किया है।

पार्षदों को दरपेश आ रही समस्याओं को लेकर पार्षद श्रुति विज के घर हुई भाजपा कोर ग्रुप की बैठक

अमृतसर, 12 मई (साहिब दयाल)- भारतीय जनता पार्टी के पार्षदों को दरपेश आ रही समस्याओं को लेकर भाजपा कोर ग्रुप अमृतसर की एक विशेष बैठक भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्षा एवं पार्षद श्रुति विज के निवास स्थान मून एविन्यू पर भाजपा जिला अध्यक्ष हरविंदर सिंह संधू की अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर पूर्व सांसद व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्वेत मलिक विशेष रूप से उपस्थित हुए। इस बैठक में पूर्व विधायक हरजिंदर सिंह ठेकेदार, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश गिल, केंद्रीय विधानसभा इंचार्ज डॉ. राम चावला, पश्चिमी विधानसभा इंचार्ज कुमार अमित, जिला महासचिव सलिल कपूर व मनीष शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष आनंद शर्मा, राजेश हनी, भाजपा पार्षद दल के नेता गौरव गिल, पार्षद अमन ऐरी आदि उपस्थित थे। हरविंदर सिंह संधू ने इस संबंध में जारी अपनी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस बैठक में कई प्रस्ताव पास किए गए हैं, जिसमें विशेष रूप से पिछले दो दिनों में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा भाजपा कार्यालयों पर किए जा रहे हमलों की कड़े शब्दों में घोर निंदा की गई तथा इस संबंध में प्रस्ताव भी पारित किया गया। अमृतसर नगर निगम में की जा रही घपलेबाजी को लेकर तथा उसके विरुद्ध कदम उठाने संबंधी विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि इस बैठक में भाजपा पार्षदों को अपने इलाकों में विकास करवाने को लेकर आ रही समस्याओं संबंधी विस्तृत चर्चा हुई और उनके समाधान संबंधी विचार विमर्श किया गया। पिछले कुछ दिनों से पार्षद श्रुति विज के कार्यों में कुछ लोगों द्वारा अड़चन पैदा की जा रही थी, जिसके समाधान संबंधी सबकी राय लेकर निर्णय लिया गया। कोर ग्रुप सदस्यों ने ऐसे लोगों को सख्त शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी पार्षद के कार्यों में अड़चन पैदा करने वाले की ऐसी हरकतों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अपने कार्यकर्ताओं के साथ चट्टान की तरह खड़ी है।

पीएसएसएफ सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का समर्थन करता है

जालंधर, 12 मई (कुलदीप सिंह) पंजाब अधीनस्थ सेवा महासंघ (पीएसएसएफ) के प्रदेश अध्यक्ष सतीश राणा, महासचिव तीरथ सिंह बस्सी और वित्त सचिव गुरदीप सिंह बाजवा ने एक संयुक्त बयान में राज्य भर में नगर समिति कर्मचारियों द्वारा अपनी मांगों को लेकर बुलाई गई हड़ताल का समर्थन किया है और कहा है कि पीएसएसएफ द्वारा इन कर्मचारियों की हड़ताल पूरी तरह से जायज है और सरकार की क्रूर नीतियों के खिलाफ एक करारा जवाब है। संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष करमजीत सिंह बिहला, मक्खन सिंह वाहिदपुरी, सुखविंदर सिंह चहल और हरमनप्रीत कौर गिल ने कहा कि पंजाब में आम जनता की सरकार अब खास लोगों की सरकार बन गई है और पंजाब की जनता के करोड़ों रुपये उनके नेताओं के विलासिता और आराम तथा मुख्यमंत्री द्वारा अपनी तस्वीरें लगाकर किए जा रहे झूठे प्रचार के कारण बर्बाद हो रहे हैं। मुख्यमंत्री के पास पंजाब के मुद्दों के लिए समय नहीं है, बल्कि वे चुटकुले सुनाकर पंजाब के मेहनतकश वर्ग का मजाक उड़ा रहे हैं। नेताओं ने जिले के सभी मेहनतकश वर्ग से इन कर्मचारियों की हड़ताल का पूरा समर्थन करने और राज्य भर में विभिन्न स्थानों पर सफाई कर्मचारियों के संगठनों द्वारा की जा रही गतिविधियों में पूरी तरह से भाग लेने की अपील की है। इस मौके पर उपरोक्त नेताओं के अलावा गुरबिंदर सिंह, कुलदीप दुर्का, किशोर चंद गज, अमिल कुमार, राजेश कुमार अमलोह, मलविंदर सिंह, गुरदेव सिंह सिद्धू, गुरप्रीत सिंह मकीमपुर, बोबिंदर सिंह, जसविंदर सिंह सोजा, गुरप्रीत रंगीलपुर, बलविंदर भुट्टो, सिमरजीत बराड़, मनोहर लाल शर्मा, सुभाष चंद्र, प्रेम चंद आजाद, सरबजीत सिंह पट्टी, कुलदीप वालिया, चमकौर सिंह नाभा, इंद्रजीत विरदी, मोहन सिंह पूनिया, जसवीर सिंह शिरा, लखविंदर सिंह खानपुर, राजिंदर सिंह रियार, जतिंदर कुमार, हरनेक सिंह गहरी, दर्शन चीमा, जगदीप सिंह मांगट, फुम्मन सिंह काठगढ़, बलजिंदर सिंह आदि नेता भी मौजूद थे।

पंजाब की 'शिक्षा क्रांति' का असर, 10वीं बोर्ड मेरिट में छात्राओं का दबदबा

हरलीन बनी पंजाब टॉपर, मान बोले- सरकारी स्कूलों में दिख रहा बदलाव, 94.52% रिजल्ट के साथ चमका पंजाब, 1688 सरकारी स्कूलों का परिणाम शत-प्रतिशत

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
12 मई (एएम नाथ)

पंजाब में भगवंत सिंह मान सरकार की 'शिक्षा क्रांति' का असर अब बोर्ड परीक्षाओं के नतीजों में साफ दिखाई देने लगा है। पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड की 10वीं कक्षा के घोषित परिणामों में छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले तीन स्थानों में दो स्थान अपने नाम किए हैं। जैतों की हरलीन शर्मा ने 650 में 646 अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि रूपनगर के मनी महेश शर्मा ने 645 अंक लेकर दूसरा और होशियारपुर की रिया रानी ने समान अंक हासिल कर तीसरा स्थान पाया।

इस वर्ष 10वीं बोर्ड परीक्षा में कुल 2,69,505 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 2,54,744 विद्यार्थी सफल रहे। कुल पास प्रतिशत 94.52 दर्ज किया गया। लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों से बेहतर रहा। छात्राओं का पास प्रतिशत 95.96 जबकि लड़कों का 93.23 प्रतिशत रहा। मेरिट सूची में कुल 272 विद्यार्थियों ने स्थान बनाया, जिनमें 220 छात्राएं और 52 छात्र शामिल हैं। खास बात यह रही कि मेरिट सूची में सरकारी स्कूलों के 88 विद्यार्थियों ने जगह बनाई।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने चंडीगढ़ में टॉपर्स से मुलाकात कर उन्हें सम्मानित किया और प्रत्येक छात्र को 50 हजार रुपये का चेक सौंपा। उन्होंने कहा कि पंजाब के बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत केवल बेहतर अवसर और आधुनिक शिक्षा व्यवस्था की थी। सरकार द्वारा शुरू किए गए स्मार्ट क्लासरूम, आधुनिक बुनियादी ढांचे, शिक्षक प्रशिक्षण और स्कूल ऑफ एमिनेंस जैसे प्रयास अब सकारात्मक परिणाम दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य के 3,718 स्कूलों ने शत-प्रतिशत परिणाम दर्ज किया है, जिनमें 1,688 सरकारी स्कूल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार पंजाब ने प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में केरल, महाराष्ट्र और दिल्ली जैसे राज्यों को पीछे छोड़ते हुए देश में पहला स्थान हासिल किया है।

टॉपर्स ने भी सरकार की योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि आईआईटी-जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की मुफ्त कोचिंग और आधुनिक शिक्षण सुविधाओं ने विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार गांव और शहर के हर बच्चे को समान अवसर देने के लिए शिक्षा के क्षेत्र में लगातार निवेश करती रहेगी, ताकि पंजाब के विद्यार्थी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन कर सकें।

अमन अरोड़ा ने उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री के रूप में पदभार संभाला

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
12 मई (एएम नाथ)

पंजाब के कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने आज उद्योग भवन, चंडीगढ़ में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री के रूप में पदभार संभाल लिया।

उल्लेखनीय है कि श्री अरोड़ा पहले से ही रोजगार सृजन, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण, नई एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत, सुशासन एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी जैसे महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

पदभार संभालने के बाद श्री अरोड़ा ने मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मानतथा आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल का उन पर विश्वास जताने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि उनकी मुख्य प्राथमिकता लालफीताशाही को समाप्त कर तथा टिकाऊ उद्योगों को बढ़ावा देकर पंजाब को सबसे पसंदीदा निवेश स्थल बनाना है। साथ ही प्रत्येक औद्योगिक विस्तार में स्थानीय लोगों को रोजगार मिलना सुनिश्चित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त औद्योगिक नीति, हरित ऊर्जा, कौशल विकास और प्रशासनिक सुधारों को आपस में जोड़कर राज्य में सुचारु एवं अनुकूल औद्योगिक वातावरण तैयार किया जाएगा। श्री अमन अरोड़ा ने कहा, मेरा लक्ष्य पंजाब को 'व्यवसाय करने में सुगम' राज्य के रूप में स्थापित करना है, जहां हमारे युवाओं के लिए सम्मानजनक और कौशल आधारित रोजगार के अवसर पैदा हो सकें।

उन्होंने आगे कहा कि उद्योग एवं वाणिज्य अब कौशल विकास और नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़ चुके हैं, जिससे राज्य में एक सर्कुलर अर्थव्यवस्था का निर्माण होगा, जहां विकास, हरित ऊर्जा और रोजगार साथ-साथ आगे बढ़ेंगे।

इससे पहले उद्योग भवन पहुंचने पर श्री अरोड़ा का प्रमुख सचिव उद्योग एवं वाणिज्य श्री गुरकिरत किरपाल सिंह, पंजाब विकास आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा बंसल, इनवेस्ट पंजाब के सीईओ श्री अमित ढाका, सचिव उद्योग श्री महिंदर पाल, निदेशक उद्योग श्री जसप्रीत सिंह, पंजाब इन्फोटेक के एमडी श्री एच.एस. बराड़, पीएसआईडीसी के एमडी श्री हरप्रीत सिंह सूदन तथा पंजाब वित्त निगम की एमडी श्रीमती सेनू दुग्गल द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

श्री अमन अरोड़ा ने विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक भी की और अधिकारियों को प्रगति अधीन औद्योगिक परियोजनाओं में तेजी लाने तथा राज्य में अधिक निवेश आकर्षित करने के प्रयास तेज करने के निर्देश दिए।

नई उड़ान संस्था ने जरूरतमंद बच्चों को दी स्कूल यूनिफॉर्म

जालंधर, 12 मई (डोगरा)- नई उड़ान वेल्फेयर सोसाइटी द्वारा अपना 124वां प्रोजेक्ट सर्वहितकारी केशव विद्या निकेतन, सूर्या एनक्लेव में आयोजित किया गया। इस अवसर पर वरुण शर्मा ने बताया कि संस्था द्वारा स्कूल के कुछ जरूरतमंद बच्चों को स्कूल यूनिफॉर्म वितरित की गई। उन्होंने कहा कि आज के बच्चे देश का भविष्य हैं, इसलिए उनकी शिक्षा में किसी प्रकार का विघ्न नहीं आना चाहिए। संस्था हर समय ऐसे बच्चों की सहायता के लिए तत्पर रहती है।स्कूल की ओर से प्रिंसिपल अरविंद बैंस और प्रबंधक मनीष शर्मा ने संस्था के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए उनका धन्यवाद किया। बच्चों ने सभी सदस्यों का तिलक लगाकर स्वागत किया तथा प्रार्थना सभा में सरस्वती वंदना, गायत्री मंत्र, ओम उच्चारण और शांति पाठ प्रस्तुत किया। प्रधान राजन गुप्ता ने बच्चों को जरूरतमंदों की सहायता करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि सेवा और सहयोग से भगवान प्रसन्न होते हैं। अंत में स्कूल प्रबंधन द्वारा सभी सदस्यों को गीता सार पुस्तक भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष रमन गुप्ता, नीरज अग्रवाल, हेमंत थापर, विशाल मेहता, संदीप छिब्बर, शैलेंद्र टंडन, राजकुमार, लविश कुमार आदि उपस्थित रहे।

अपराधियों की अब खैर नहीं!

पंजाब पुलिस का डिजिटल रक्षक बना इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
12 मई (एएम नाथ)

पंजाब पुलिस द्वारा शुरू किया गया अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (ICCC) देशभर में आधुनिक पुलिसिंग के नए मानक स्थापित कर रहा है। अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखने से लेकर उपद्रवियों को पकड़ने तक, पंजाब पुलिस अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अपने कर्मियों की मानवीय सूझबूझ के मेल से 'सुरक्षित पंजाब' के लक्ष्य को हासिल करने की कोशिश कर रही है। हाल ही में पंजाब के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (DGP) गौरव यादव ने लुधियाना में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (ICCC) का उद्घाटन किया। इस परियोजना के तहत शहर के 259 स्थानों पर करीब 1,700 हाई-रेज़ोल्यूशन कैमरे लगाए गए हैं, जिससे देश के 'औद्योगिक केंद्र' माने जाने वाले शहर की निगरानी व्यवस्था को और मज़बूत किया गया है।

जालंधर भी आईसीसीसी परियोजना की सफलता का बड़ा उदाहरण बनकर उभर रहा है। शहरभर में लगे 1,007 हाई-रेज़ोल्यूशन कैमरों वाले इस सर्विलांस नेटवर्क ने कई मामलों को सुलझाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भार्गव कैंप स्थित एक ज्वेलरी दुकान में हुई 1 करोड़ रुपये के सोने और 2 लाख रुपये नकद की सशस्त्र लूट के मामले में आईसीसीसी ने आरोपियों की गतिविधियों का पुनर्निर्माण करने में मदद की। आईसीसीसी की सहायता से पुलिस ने एक साथ 12 जंक्शन की फुटेज को सिंक्रोनाइज़ किया और शहर की गलियों से गुजरते हुए आरोपियों के भागने के रास्ते को ट्रैक कर उनका ठिकाना खोज निकाला तथा चोरी की गई संपत्ति बरामद की।

पूर्व मंत्री और भाजपा नेता मनोरंजन कालिया के घर पर हुए ग्रेनेड हमले की जांच में भी आईसीसीसी ने डिजिटल साक्ष्यों को जोड़ने में बड़ी भूमिका निभाई। जांचकर्त्ताओं ने अपराध स्थल से जालंधर रेलवे स्टेशन तक संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों का विजुअल ट्रेल तैयार किया। बाद में एक आरोपी की पहचान फुटेज के आधार पर हुई और फरारी के दौरान किए गए 3,500 रुपये के ऑनलाइन लेन-देन के ज़रिए उसे चार राज्यों में ट्रैक करते हुए दिल्ली से गिरफ़्तार किया गया।

हाई-रिज़ॉल्यूशन ट्रैकिंग कैमरों ने बेहतर तालमेल स्थापित करने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। संतोखपुरा फायरिंग मामले में कुछ हमलावरों ने एक वेटरिनरी डॉक्टर के घर पर करीब 12 गोलियां चलाई थीं। हाई-रेज़ोल्यूशन कैमरों में एक आरोपी गोलीबारी की वीडियो बनाते हुए और दूसरा फायरिंग करते हुए कैद हुआ। आईसीसीसी और स्थानीय निजी सीसीटीवी कैमरों के समन्वय से तैयार किए गए विजुअल मार्कर्स के आधार पर आरोपियों की गतिविधियों को मुख्य निगरानी मार्गों तक ट्रेस किया गया।

पंजाब राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन ने गुरदासपुर में लगाया खुला दरबार; सुनीं महिलाओं की समस्याएं

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
12 मई (संदीप सन्नी)

पंजाब राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन राज लाली गिल ने गुरदासपुर के पंचायत भवन में खुला दरबार लगाकर महिलाओं की शिकायतों को सुना। इस अवसर पर उन्होंने पुलिस अधिकारियों को मामलों का निपटारा करने के आवश्यक निर्देश दिए।

लोक अदालत की मुख्य कार्यवाही-

-सुनवाई- लोक अदालत में पहले से लंबित 20 मामलों और 28 नई शिकायतों सहित लगभग 50 मामलों की सुनवाई की गई।

-त्वरित न्याय- चेयरपर्सन ने कहा कि आयोग हर जिले में जाकर महिलाओं की समस्याओं का समाधान कर रहा है ताकि उन महिलाओं को मदद मिल सके जो मोहाली स्थित आयोग के कार्यालय तक नहीं पहुँच पातीं।

-मामलों के प्रकार- सुनवाई के दौरान विवाह संबंधी विवाद, लिव-इन रिलेशनशिप, पारिवारिक झगड़े और घरेलू हिंसा से जुड़े मामले सामने आए।

सामाजिक मुद्दों पर चिंता-
गिल ने गंभीर सामाजिक मुद्दों पर अपनी राय साझा की-

लिव-इन रिलेशनशिप- उन्होंने कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप समाज पर बुरा प्रभाव डाल रहा है और इसे रोकना अनिवार्य है।

सोशल मीडिया- उन्होंने चिंता व्यक्त की कि सोशल मीडिया का दुरुपयोग परिवारों को तबाह कर रहा है और समाज को दीमक की तरह खा रहा है।

घटती सहनशीलता- उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी बातों को बर्दाश्त न करना और सहनशीलता की कमी परिवारों में आपसी झगड़ों का मुख्य कारण बन रही है। साथ ही वृद्धाश्रमों की बढ़ती संख्या को भी उन्होंने समाज के लिए चिंताजनक बताया।

इस मौके पर आयोग के डिप्टी डायरेक्टर गुलबहार सिंह तूड़, एडिशनल डिप्टी कमिश्नर (विकास) गुरप्रीत सिंह गिल, सहायक कमिश्नर कुलदीप चंद, जिला प्रोग्राम अधिकारी जसमीत कौर और गुरदासपुर, बटाला व पठानकोट के डीएसपी स्तर के अधिकारी उपस्थित थे।

समय रहते अपनी आवाज बुलंद नहीं की, तो खामियाजा भुगतना पड़ेगा- जीवन कालिया

जालंधर, 12 मई (डोगरा)- डिपो होल्डर यूनियन जालंधर यूनिट की एक विशेष बैठक जालंधर प्रधान जीवन कालिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में डिपो होल्डरों की विभिन्न समस्याओं और कामकाज के दौरान आ रही मुश्किलों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में विशेष तौर पर कार्ड होल्डरों को समय पर राशन वितरण, पंजाब सरकार द्वारा शुरू की गई मेरी रसोई योजना को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान यूनियन सदस्यों ने कहा कि पंजाब प्रधान रोशन लाल द्वारा लगातार पंजाब सरकार और फूड सप्लाई विभाग के समक्ष डिपो होल्डरों पर बढ़ रहे आर्थिक बोझ और फंड की कमी का मुद्दा उठाया जा रहा है।

यूनियन नेताओं ने कहा कि प्रति किट मिलने वाली राशि बेहद कम है, जिससे डिपो होल्डरों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि डिपो होल्डरों ने समय रहते अपनी आवाज बुलंद नहीं की, तो भविष्य में इसका खामियाजा हर डिपो होल्डर को भुगतना पड़ेगा। इस अवसर पर राकेश कुमार, विनोद कुमार, राज कुमार, सुदेश कुमार, पवन कुमार, सुखजिंदर सिंह, गौरव शर्मा, नरिंदर कुमार, रवि कुमार, हरभजन सिंह सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

जिला गाइडेंस काउंसलर का पहला दौरा: स्कूलों में करियर मार्गदर्शन प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में प्रभावी पहल

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
12 मई (संदीप सन्नी)

जिला स्तर पर विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण और करियर मार्गदर्शन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत, सहायक निदेशक (एससीईआरटी) श्रुति शुक्ला के दिशा-निर्देशों और जिला शिक्षा अधिकारी परमजीत कौर की देखरेख में जिला गाइडेंस काउंसलर मुकेश वर्मा द्वारा अपनी नियुक्ति के बाद पहला दौरा किया गया। यह दौरा केवल औपचारिक जांच तक सीमित नहीं था, बल्कि इसका मुख्य उद्देश्य स्कूलों में करियर मार्गदर्शन प्रणाली को और अधिक प्रभावी, संगठित और परिणाम-केंद्रित बनाना था।

इस दौरान उन्होंने आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल कोट धंदल, सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल सिद्धवां, सीनियर सेकेंडरी स्कूल वडाला ग्रंथियां और सरकारी हाई स्कूल कोट टोडर मल का निरीक्षण किया। दौरे के दौरान उन्होंने सभी स्कूलों में स्थापित %गाइडेंस कॉर्नर% का गहराई से जायजा लिया और वहां उपलब्ध अध्ययन सामग्री, करियर संबंधी पुस्तकों, प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी, डिजिटल संसाधनों और विद्यार्थियों को दिए जा रहे मार्गदर्शन की गुणवत्ता का बारीकी से मूल्यांकन किया।

उन्होंने यह भी देखा कि विद्यार्थी इन संसाधनों का उपयोग कैसे कर रहे हैं और उन्हें कितनी नियमितता के साथ मार्गदर्शन दिया जा रहा है।

जिला गाइडेंस काउंसलर मुकेश वर्मा ने विद्यार्थियों के साथ संवादात्मक सत्र करते हुए उन्हें विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं, उच्च शिक्षा के विभिन्न विकल्पों, व्यावसायिक एवं कौशल आधारित पाठ्यक्रमों और सरकारी व निजी क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार लक्ष्य निर्धारित करने, समय का सही प्रबंधन करने, सकारात्मक सोच विकसित करने और निरंतर मेहनत के माध्यम से अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि गाइडेंस कॉर्नर केवल एक औपचारिक व्यवस्था नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के लिए एक मजबूत मंच है, जहां से वे अपने करियर से संबंधित सही दिशा, मार्गदर्शन और प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने स्कूल प्रशासन को सुझाव दिया कि गाइडेंस कॉर्नर को और प्रभावी बनाने के लिए नियमित काउंसलिंग सत्र, विशेषज्ञों के व्याख्यान, करियर जागरूकता कार्यक्रम और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

इस अवसर पर प्रिंसिपल राम लाल, इंचार्ज भूपेंद्र सिंह, हरप्रीत कौर, मुख्याध्यापिका दिवजोत कौर सहित स्कूलों का समस्त स्टाफ मौजूद था।

माता गुजरी खालसा मॉडर्न स्कूल का दसवीं कक्षा का शानदार परिणाम

जालंधर (डोगरा) हाल ही में पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा दसवीं कक्षा के परिणामों की घोषणा की गई, जिसमें माता गुजरी खालसा मॉडर्न स्कूल, न्यू शहीद बाबू लाभ सिंह नगर, जालंधर का परिणाम बहुत ही शानदार और 100 प्रतिशत रहा। स्कूल के कुल 80 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी, जिसमें रिंकू यादव ने 93त्न अंक प्राप्त करके कक्षा में प्रथम स्थान, तनु ने 90.2त्न अंक प्राप्त करके कक्षा में दूसरा स्थान और आंचल ने 88.9त्न अंक प्राप्त करके कक्षा में तीसरा स्थान हासिल करके अपने स्कूल और माता-पिता का नाम रोशन किया।इस अवसर पर स्कूल के चेयरमैन सरदार जसपाल सिंह जी ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए बच्चों, उनके माता-पिता और स्कूल के शिक्षकों को बधाई दी।

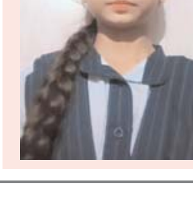
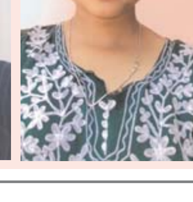

संक्षिप्त न्यूज

100 दिन नि:शुल्क लाइव योग सत्र का हो रहा आयोजन

27 मई के दिन विश्व रिकॉर्ड बनाने का किया जाएगा प्रयास

शिमला (एएम नाथ)– सचिव, आयुष विभाग ने बताया कि आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पूरे देश में स्वास्थ्य व योग क्रिया को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है जिसके तहत 100 दिन नि:शुल्क लाइव योग सत्र का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय योग दिवस–2026 की तैयारियों के क्रम में ऑनलाइन योग को बड़े पैमाने पर आयोजित कर प्रस्तावित 27 मई, 2026 को विश्व रिकॉर्ड बनाना है। उन्होंने बताया कि मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने हैबिल्ड हेल्थ टेक प्राइवेट लिमिटेड से समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया है जो यह 100 दिन मुफ्त ऑनलाइन योग सत्र करवाएगा। प्रतिभागी 14–दिवसीय संरचित योग कार्यक्रमों में से विभिन्न कार्यक्रमों में नामांकन कर सकते हैं। यह सत्र आयुष मंत्रालय द्वारा अपने यूट्यूब चैनल पर प्रसारित किए जायेंगे। उन्होंने प्रदेश के सभी लोगों से इस 100 दिन नि:शुल्क ऑनलाइन योग सत्र से जुड़ने के लिए आग्रह किया है ताकि सभी निरोगी व स्वस्थ जीवन यापन कर सकें। योग सत्र से जुड़ने और भाग लेने के लिए टोल फ्री नंबर 18003157008 पर कॉल कर सकते हैं।

15 मई तक अपनी ऑप्शन दें सहायक स्टाफ नर्स के अभ्यर्थी

हमीरपुर (ब्यूरो)– हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (एचपीआरसीए) ने 30 अप्रैल 2026 से 11 मई 2026 तक सहायक स्टाफ नर्स, पोस्ट कोड–26004 की डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन में भाग लेने वाले सभी अभ्यर्थियों से 15 मई तक निर्धारित प्रपत्र पर विभाग के आवंटन के विकल्प आमंत्रित किए हैं।

आयोग के सचिव डॉ. विक्रम महाजन ने बताया कि निर्धारित प्रपत्र पर ये विकल्प स्वयं आयोग के कार्यालय में या आयोग के ईमेल एचपी–आरसीए एट द रेट एचपी.जीओवी.इन hp-rca@hp.gov.in पर भेजे जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि अगर इस अवधि के दौरान कोई अभ्यर्थी अपना विकल्प जमा नहीं करवाता है तो उसे पदों की उपलब्धता के आधार पर स्वास्थ्य विभाग या स्वास्थ्य शिक्षा विभाग आवंटित कर दिया जाएगा।

22 मई से प्रस्तावित जेबीटी की डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन स्थगित

हमीरपुर(एएम नाथ) – हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (एचपीआरसीए) द्वारा आयोजित जेबीटी भर्ती परीक्षा (पोस्ट कोड–25004) पास करने वाले उम्मीदवारों की डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया फिलहाल स्थगित कर दी गई है।

आयोग के सचिव डॉ. विक्रम महाजन ने बताया कि इन उम्मीदवारों की डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन 22 मई से आरंभ होनी थी, लेकिन प्रशासनिक कारणों से इसे स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इसका शेड्यूल बाद में जारी किया जाएगा।

श्री गुरुद्वारा साहिब जोहड़ताल में 17 मई को गुरु का विशाल लंगर भंडारा

गुरु की चौकी में पंजाब के शमशेर शम्मु करेंगे गुरु का गुणगान

पट्टा मेहलोग, 12 मई (तारा) – विकास खंड पट्टा की ग्राम पंचायत भावगुड़ी के जोहड़ताल में स्थित ऐतिहासिक धार्मिक स्थल परिसर में 17 मई रविवार को गुरु की चौकी, शब्द कीर्तन व दोपहर बाद भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

स्थानीय गुरुद्वारा कमेटी के प्रधान सुनील कुमार, ज्ञान चंद ,मंजू शर्मा सहित अन्य सेवादारों ने बताया कि रविवार सुबह 11 बजे झंडा चढ़ाने की रस्म अदा की जाएगी तथा दोपहर बाद गुरु का लंगर वितरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि दोपहर बाद गांव राबी निवासी प्रकाश चंद शर्मा व गांव बागी के हुकमी दत्त की पार्टी द्वारा भजन कीर्तन किया जाएगा,जिसमें क्षेत्र के सभी लोग सम्मिलित होंगे। रात्रि 7 बजे से 10 बजे तक गुरु की चौकी लगेगी व इसके बाद पंजाब के मशहूर कलाकार शमशेर शम्भू एंड पार्टी द्वारा भजन कीर्तन किया जाएगा।

बता दें कि क्षेत्र के हरिपुर साहिब की मेहर से यहां वर्षों पूर्व गुरु की मंजी विराजमान है व हर वर्ष यहां भव्य धार्मिक आयोजन किया जाता है,जिसमें क्षेत्र के इलावा बाहरी राज्य की संगत भी शीश नवाने आती है। ऐसे में इस स्थान का महत्व और अधिक बढ़ जाता है।इस अवसर पर श्रद्धालु ऐतिहासिक गुरुद्वारे में शीश नवाकर भंडारा प्रसाद ग्रहण करते हैं। यह स्थल पट्टा मेहलोग से 3 व पट्टा बनलगी मार्ग पर शंगेला से एक किलोमीटर की दूरी पर हरे भरे जंगलों से घिरे छोटे से गांव में प्रकृति की गोद में बसा है।

दिल्ली-शिमला, शिमला-धर्मशाला उड़ान सेवा शुरू

» प्रथम न्यूज । शिमला

12 मई (एएम नाथ)

सात महीने के अंतराल के बाद प्रदेश में दिल्ली–शिमला और शिमला–धर्मशाला हवाई सेवाएं पुन: शुरू हो गई हैं। सोमवार को एलायंस एयर की पहली उड़ान के शिमला जुब्बड़हट्टी एयरपोर्ट पहुंचने पर विमान को वॉटर सैल्यूट दिया गया और एयरपोर्ट स्टाफ ने यात्रियों का फूल देकर स्वागत किया। दिल्ली से शिमला पहुंचे विमान में आठ यात्री सवार थे, जबकि शिमला से धर्मशाला के लिए दो यात्री रवाना हुए। धर्मशाला से शिमला पांच यात्री पहुंचे और शिमला से दिल्ली के लिए पांच यात्रियों ने उड़ान भरी। सोमवार को खराब दृश्यता के कारण विमान जुब्बड़हट्टी एयरपोर्ट पर लैंड नहीं कर पाया था।

लायंस एयर इन रूटों पर एटीआर–42 (600) विमान का संचालन करेगी। तकनीकी रूप से यह 48 सीटों वाला विमान है, लेकिन जुब्बड़हट्टी एयरपोर्ट की भौगोलिक परिस्थितियों, ऊंचाई और छोटे रनवे के कारण विमान को सीमित पेलोड के साथ संचालित करना पड़ता है। दिल्ली से शिमला आने वाली उड़ान में लगभग 47 यात्री लाए जा सकते हैं, जबकि शिमला से दिल्ली उड़ान भरते समय अधिकतम 24 से 28 यात्रियों को ही बैठाया जा सकेगा।

शिमला–धर्मशाला रूट पर भी मौसम और रनवे की स्थिति के अनुसार यात्रियों की संख्या सीमित रखी जाएगी। बीते वर्ष 25 सितंबर 2025 को एलायंस एयर और प्रदेश सरकार के बीच हुआ करार समाप्त होने के बाद 2 नवंबर 2025 से उड़ान सेवाएं बंद हो गई थीं। अब सेवाएं दोबारा शुरू होने से पर्यटन कारोबार और यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि इस बार किराए में भारी वृद्धि हुई है। दिल्ली–शिमला रूट पर किराया करीब 4500 रुपये से बढ़कर 7441 रुपये हो गया है, जबकि शिमला–धर्मशाला रूट पर किराया 2100 रुपये से बढ़कर 4125 रुपये पहुंच गया है।

फ्लाइट का शेड्यूल और टाइम टेबल

दिल्ली–शिमला–दिल्ली उड़ानें सोमवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार को संचालित होंगी। सोमवार, बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार को फ्लाइट सुबह 7:20 बजे दिल्ली से रवाना होकर 8:35 बजे शिमला पहुंचेगी और वापसी में 11:30 बजे शिमला से उड़ान भरकर 12:40 बजे दिल्ली पहुंचेगी। शनिवार को दिल्ली से सुबह 7:50 बजे और रविवार को सुबह 6:20 बजे उड़ान रवाना होगी। शिमला–धर्मशाला–शिमला हवाई सेवा सोमवार, बुधवार, गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार को संचालित होगी। सोमवार से शुक्रवार तक फ्लाइट सुबह 9:00 बजे शिमला से रवाना होकर 9:50 बजे धर्मशाला पहुंचेगी तथा वापसी में 10:15 बजे धर्मशाला से उड़ान भरकर 11:05 बजे शिमला पहुंचेगी। शनिवार को समय में आंशिक बदलाव रहेगा।

सोमवार से दिल्ली–शिमला और शिमला–धर्मशाला के बीच हवाई सेवाएं बहाल हो गई हैं। शिमला एयरपोर्ट पर विमान को वॉटर सैल्यूट दिया गया और यात्रियों का फूल देकर स्वागत किया गया। –

सतीश कुमार, निदेशक, भारतीय विमानपतन प्राधिकरण शिमला एयरपोर्ट

एसआईआर के तहत पूरी पारदर्शिता और शुद्धता के साथ हो मतदाता सूची का पुनरीक्षण : डॉ. सुखबीर सिंह संधू

चुनाव आयुक्त ने शोघी में मतदान केंद्र का किया निरीक्षण, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

» प्रथम न्यूज । शिमला

12 मई (एएम नाथ)

चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू ने मंगलवार को शिमला के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला शोघी में मतदान केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चुनावी व्यवस्थाओं, मतदाताओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं तथा मतदान केंद्रों पर आवश्यक मूलभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान चुनाव आयुक्त ने अधिकारियों को विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण पूरी पारदर्शिता और शुद्धता के साथ किया जाए ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता सूची से वंचित न रहे।

चुनाव आयुक्त ने कहा कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण लोकतंत्र को मजबूत करने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है और इसमें सभी राजनीतिक दलों तथा आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने तथा त्रुटियों के सुधार की प्रक्रिया समयबद्ध ढंग से पूरी की जाए। इसके साथ ही बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को घर–घर जाकर सत्यापन करने और मतदाताओं को जागरूक करने के निर्देश भी दिए गए।

उन्होंने कहा कि मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुचारू रूप से संपन्न करवाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जाएं। उन्होंने मतदान केंद्रों में पेयजल, शौचालय, रैंप, बिजली और सुरक्षा व्यवस्था सहित अन्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

इस मौके पर एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पंकज शर्मा, तहसीलदार चुनाव राजेश कौंडल सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

जिला चम्बा में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव के लिए अंतिम दिन 3831 नामांकन पत्र दाखिल

कुल 8479 नामांकन पत्र दाखिल

चम्बा (एएम नाथ)– जिला चम्बा में पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों के लिए नामांकन प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मुकेश रेपसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि नामांकन के अंतिम दिन विभिन्न पदों के लिए कुल 3831 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। उन्होंने बताया कि पहले दिन 2067, दूसरे दिन 2581 तथा अंतिम दिन 3831 नामांकन पत्र प्राप्त हुए। इस प्रकार तीनों दिनों में जिलेभर से कुल 8479 नामांकन पत्र दाखिल किए गए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विभिन्न विकास खंडों के अंतर्गत प्रधान पद के लिए कुल 1591, उपप्रधान पद के लिए 1568 नामांकन पत्र प्राप्त हुए हैं। वहीं वार्ड सदस्य पद के लिए सर्वाधिक 4564 तथा पंचायत समिति सदस्य पद के लिए 636 नामांकन पत्र दाखिल किए गए।

उन्होंने बताया कि जिलेभर में जिला परिषद सदस्य पद के लिए कुल 120 नामांकन पत्र प्राप्त हुए हैं। उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के लिए प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही।

भाजपा ने जारी किया धर्मशाला नगर निगम का विजन डॉक्यूमेंट

स्मार्ट सिटी में हुए धन के दुरुपयोग की होगी जांच, जनता के पैसे की जवाबदेही तय करेगी भाजपा : सुधीर शर्मा

» प्रथम न्यूज । धर्मशाला

12 मई (ब्यूरो)

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधायक सुधीर शर्मा ने धर्मशाला नगर निगम चुनावों के लिए भाजपा का संकल्प पत्र जारी करते हुए कहा कि भाजपा धर्मशाला को आधुनिक, सुव्यवस्थित, पर्यावरण अनुकूल और विश्वस्तरीय पर्यटन शहर के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा तैयार किया गया यह संकल्प पत्र केवल चुनावी घोषणा नहीं बल्कि धर्मशाला के भविष्य का विजन डॉक्यूमेंट है, जिसे पूरे नगर निगम की समग्र विकास दृष्टि को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष पवन काजल, प्रवक्ता राकेश शर्मा, संजय शर्मा, विश्व चक्षु और जिला अध्यक्ष सचिन शर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सुधीर शर्मा ने कहा कि भाजपा का यह संकल्प पत्र धर्मशाला शहर की वर्तमान आवश्यकताओं और भविष्य की चुनौतियों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। उन्होंने कहा कि वार्ड स्तर की स्थानीय समस्याओं को लेकर भाजपा प्रत्याशियों ने अलग–अलग अपीलें भी जारी की हैं, जबकि पार्टी का यह संकल्प पत्र पूरे नगर निगम क्षेत्र के दीर्घकालिक विकास का रोडमैप प्रस्तुत करता है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की प्राथमिकता धर्मशाला में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करना, यातायात व्यवस्था को आधुनिक बनाना और नागरिकों की जीवन गुणवत्ता को बेहतर करना है। इसी उद्देश्य से भाजपा ने शहर के 22 चिन्हित स्थानों पर स्मार्ट पार्किंग विकसित करने, 24म7 पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा जल संरक्षण के लिए मुख्य खड्डों पर छोटे बांध बनाने का संकल्प लिया है।

सुधीर शर्मा ने बताया कि भाजपा धर्मशाला में चरान खड्ड से भागसूनाग तक फनिकुलर यातायात परियोजना शुरू करेगी, जिससे ट्रैफिक जाम कम होगा और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना स्मार्ट सिटी की मूल डीपीआर में भी प्रस्तावित थी, लेकिन इच्छाशक्ति की कमी के कारण धरातल पर नहीं उतर सकी। उन्होंने कहा कि भाजपा नगर निगम बनने पर इस महत्वाकांक्षी परियोजना को प्राथमिकता से आगे बढ़ाएगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा कचहरी अड्डा और कोतवाली बाजार के पुनर्विकास, धर्मशाला बस अड्डे के निर्माण तथा उसकी कोतवाली बाजार से सीधी कनेक्टिविटी पर भी कार्य करेगी। इसके अतिरिक्त चौक–चौराहों के सौंदर्यकरण, कैंची मोड़ पर व्यूइंग डेक, शहर में ई–टैक्सी सेवा, साइकिलिंग और जॉगिंग ट्रैक तथा डीकंजेशन पॉलिसी लागू करने जैसे कदम उठाए जाएंगे।

महिलाओं और युवाओं को लेकर भाजपा के विजन पर बोलते हुए सुधीर शर्मा ने कहा कि पार्टी महिलाओं के स्वरोजगार और आय बढ़ाने के लिए MC Cooperative Grid का गठन करेगी। युवाओं के लिए मल्टी स्पोर्ट्स जोन, फुटबॉल अकादमी, स्किल डेवलपमेंट एवं स्टार्टअप इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित किए जाएंगे ताकि रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर तैयार हो सकें।

उन्होंने कहा कि भाजपा वरिष्ठ नागरिकों के लिए Doctor on Call ऐप शुरू करेगी तथा आशियाना स्कीम के तहत सरकारी भूमि पर बने मकानों का नियमीकरण भी किया जाएगा। नगर निगम की सभी सेवाओं को ऑनलाइन किया जाएगा और निर्धारित समय सीमा में जवाब न मिलने पर आवेदन स्वत: स्वीकृत माने जाएंगे।

सुधीर शर्मा ने कहा कि भाजपा धर्मशाला को ड्रग मुक्त शहर बनाने के लिए विशेष अभियान चलाएगी। टेक्नोलॉजी, सीसीटीवी निगरानी, जनजागरूकता और प्रशासनिक समन्वय के माध्यम से नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि धर्मशाला जैसे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन शहर की पहचान सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण से होनी चाहिए।

स्मार्ट सिटी परियोजनाओं पर कांग्रेस सरकार और वर्तमान नगर निगम को घेरते हुए सुधीर शर्मा ने कहा कि धर्मशाला स्मार्ट सिटी में जनता के पैसे का दुरुपयोग हुआ है।

उन्होंने कहा कि कई परियोजनाएं कागजों में रह गईं और जो कार्य हुए उनमें भी पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव रहा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के ही वरिष्ठ मंत्रियों ने नगर निगम की स्थिति को पंचायत से भी बदतर बताया है और दो वर्षों से हाउस तक कन्वीन नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि भाजपा यह सुनिश्चित करेगी कि विकास कार्यों में पारदर्शिता हो और जनता के पैसे का सही उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि नगर निगम की आय बढ़ाने, निजी निवेश आकर्षित करने और केंद्र सरकार की योजनाओं का प्रभावी उपयोग कर धर्मशाला को आधुनिक और सुविधायुक्त शहर बनाया जाएगा।

सुधीर शर्मा ने कहा कि भाजपा धर्मशाला को केवल नगर निगम नहीं बल्कि हिमाचल प्रदेश की दूसरी राजधानी और वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में देखती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्मार्ट सिटी विजन के अनुरूप भाजपा धर्मशाला को आधुनिक बुनियादी सुविधाओं, बेहतर यातायात, स्वच्छता, पर्यटन और रोजगार के केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए पूरी तरह संकल्पित है।

जनगणना 2027 के संदर्भ में प्रथम चरण का तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

» प्रथम न्यूज । बिलासपुर

12 मई (धर्मपाल/जितेंद्र गौतम)

जिला बिलासपुर में जनगणना 2027 के प्रथम चरण 'गृह सूचीकरण कार्य' के सफल संचालन के लिए फील्ड ट्रेनर की तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त राहुल कुमार ने आज डीआरडीए सभागार में किया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत जनगणना कार्य निदेशालय के सौजन्य से आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान प्रतिभागियों को जनगणना–2027 के प्रथम चरण को सफलतापूर्वक संपन्न करवाने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश एवं प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

इस अवसर पर बोलते हुए उपायुक्त राहुल कुमार ने कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य जनगणना कार्य में लगे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गृह सूचीकरण की प्रक्रिया, डिजिटल माध्यमों तथा नवीन तकनीकों के उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करना है।

उन्होंने ने कहा कि जनगणना देश की सबसे महत्वपूर्ण सांख्यिकीय प्रक्रिया है। इसके माध्यम से प्राप्त आंकड़े सरकार की विभिन्न योजनाओं के निर्माण तथा जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि जनगणना से प्राप्त सूचनाएं देशवासियों के लाभ के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को बनाने के लिए आवश्यक आधारभूत जानकारी उपलब्ध कराती हैं। जनगणना आंकड़ों के आधार पर संसद एवं विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों, पंचायतों तथा शहरी स्थानीय निकायों की सीटों का परिसीमन किया जाता है। ऐसे में प्रगणक केवल जानकारी एकत्रित नहीं करते, बल्कि वह एक विशाल राष्ट्र–निर्माण गतिविधि का अभिन्न अंग भी होते हैं। जनगणना के दौरान लोगों से 33 प्रश्न पूछे जाएंगे।

सहायक निदेशक जनगणना प्रियांशु तिवारी ने बताया कि चरण–1 अर्थात मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना अत्यंत उपयोगी है। इससे मानव बस्तियों की स्थिति, आवासीय कमी तथा आवासीय आवश्यकताओं से संबंधित व्यापक आंकड़े प्राप्त होते हैं, जो आवास नीतियों के निर्माण में सहायक होते हैं। इसके अतिरिक्त यह परिवारों में उपलब्ध सुविधाओं एवं परिसंपत्तियों से संबंधित विस्तृत जानकारी भी उपलब्ध कराता है, जिसकी आवश्यकता केंद्र एवं राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों तथा अन्य गैर–सरकारी एजेंसियों को विकास एवं योजना निर्माण के लिए होती है। उन्होंने बताया कि जनगणना का दूसरा चरण जनसंख्या गणना के रूप में आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश के प्रत्येक व्यक्ति के संबंध में एक निश्चित समय बिंदु पर महत्वपूर्ण जानकारी एकत्रित की जाएगी। यह आंकड़े नीतियों एवं कार्यक्रमों के निर्माण, प्रभावी सार्वजनिक प्रशासन तथा विद्वानों, व्यवसायियों, उद्योगपतियों, योजनाकारों और निर्वाचन प्राधिकरणों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को जनगणना कार्य से संबंधित विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मों जैसे सीएमएमएस पोर्टल, एचएलओ (हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन) तथा एचएलबीसी ऐप के उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की जाएगी। इन माध्यमों के जरिए वास्तविक समय में फील्ड डेटा संग्रहण, निगरानी तथा गांवों की सीमाओं एवं पर्यवेक्षण क्षेत्रों के निर्धारण की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा।

इस अवसर पर जनगणना से जन कल्याण का संदेश देते हुए आम जनता से सहयोग की अपील की गई। स्व–गणना का कार्य 01 जून 2026 से 15 जून 2026 तक तथा हाउस लिस्टिंग कार्य 16 जून 2026 से 15 जुलाई 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहायक निदेशक, जनगणना तथा जिला अनुसंधान अधिकारी ललित शर्मा सभी प्रतिभागियों का जनगणना कार्य को लेकर मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त ओम कांत ठाकुर, सांख्यिकी अन्वेषक अधिकारी ग्रेड दो आनंद सोनी, सह जिला नोडल अधिकारी एवं जिला राजस्व अधिकारी नीलाक्ष शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त न्यूज

थाना मलोया के नव-नियुक्त SHO से रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन व शिव सेना हिंदुस्तान प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात

चंडीगढ़ (पुनीत महाजन) – चंडीगढ़ के सेक्टर-38 वेस्ट ईडब्ल्यूएस फ्लैट्स रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन तथा शिव सेना हिंदुस्तान के प्रतिनिधिमंडल ने आज थाना मलोया के नव-नियुक्त SHO बलदेव कुमार से शिष्टाचार भेंट कर क्षेत्र की सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल में सेक्टर-38 वेस्ट ईडब्ल्यूएस फ्लैट्स रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान प्रमोद कुमार, श्री राजीव बिरला, प्रधान करण सिंह मकवाना तथा शिव सेना हिंदुस्तान के युवा उपाध्यक्ष अमित अटवाल प्रमुख रूप से शामिल रहे। बैठक के दौरान क्षेत्र में बढ़ रही आपराधिक गतिविधियों, चोरी एवं अन्य घटनाओं को लेकर चिंता व्यक्त की गई। प्रतिनिधिमंडल ने SHO साहब को कॉलोनी की सुरक्षा संबंधी समस्याओं से अवगत कराते हुए क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने तथा कानून व्यवस्था को और मजबूत करने की मांग रखी। SHO बलदेव कुमार ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त करते हुए कहा कि क्षेत्र में अपराध पर जल्द ही प्रभावी अंकुश लगाया जाएगा तथा पुलिस प्रशासन जनता की सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 24 घंटे पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रहा है। इस अवसर पर शिव सेना हिंदुस्तान के युवा उपाध्यक्ष अमित अटवाल ने कहा कि क्षेत्रवासियों को पुलिस प्रशासन पर पूरा विश्वास है और रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन हर स्तर पर पुलिस का सहयोग करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के आपसी सहयोग से ही क्षेत्र को सुरक्षित और अपराधमुक्त बनाया जा सकता है।

विनेश फोगाट के मामले में खेल मंत्री करें हस्तक्षेप- हुड्डा

चंडीगढ़, 12 मई (सुरिन्दर पाल)- पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने विनेश फोगाट के मामले में केंद्रीय खेल मंत्री से तुरंत हस्तक्षेप की मांग करी है। हुड्डा ने कहा कि एक ओलंपियन खिलाड़ी द्वारा लगाए जा रहे आरोप बेहद गंभीर हैं। विनेश फोगाट ने कई मौकों पर देश का मान बढ़ाया है। ऐसे में केंद्र सरकार और खेल संस्थाओं की जिम्मेदारी बनती है कि उनके सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ न हो। उन्होंने कहा कि अगर विनेश फोगाट मेरिट के आधार पर खेल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना चाहती हैं, एशियन गेम्स या अन्य अंतरराष्ट्रीय इवेंट्स में भागीदारी करना चाहती हैं, तो उन्हें निश्चित रूप से मौका मिलना चाहिए। लेकिन गोंडा में उन्हें न तो प्रतियोगिता में भाग लेने दिया गया और न ही ट्रेनिंग हॉल का उपयोग करने की अनुमति दी गई। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने आगे कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) की कार्यप्रणाली कई बार सवालों के घेरे में रही है। इसलिए जरूरी है कि स्वयं केंद्रीय खेल मंत्री पूरे मामले का संज्ञान लें और हस्तक्षेप करें, ताकि किसी भी खिलाड़ी का हक न मारा जाए।

उन्होंने कहा, हमारे देश में मुट्ठी भर ही ऐसे खिलाड़ी हैं जो ओलंपिक तक का सफर तय करते हैं और पदक जीतने की क्षमता रखते हैं। विनेश उन्हीं में से एक पहलवान हैं। पेरिस ओलंपिक में भी विनेश फोगाट स्वर्ण पदक की स्थिति में पहुंच गई थीं, लेकिन आखिरी क्षण में किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया। तमाम मैच जीतने के बावजूद वो पदक से वंचित रह गईं। हुड्डा ने जोर देकर कहा कि अगर विनेश अपनी मेहनत से कमबैक करना चाहती हैं और देश के लिए पदक लाना चाहती हैं, तो खेल संस्थाओं को उनके साथ भेदभाव करने के बजाय, पूरा सहयोग करना चाहिए।

पेपर लीक युवाओं के भविष्य पर सीधा हमला : सैलजा

चंडीगढ़, 12 मई (सुरिन्दर पाल)- सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि एनईईटी-2026 पेपर लीक की खबर देश के लाखों युवाओं के भविष्य और उनकी मेहनत पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि जब परीक्षाएं पारदर्शिता और ईमानदारी के बजाय भ्रष्टाचार और पेपर लीक की भेंट चढ़ने लगें, तो सबसे बड़ा नुकसान गरीब और मध्यम वर्ग के उन छात्रों का होता है जो वर्षों तक कठिन परिश्रम करके अपने सपनों को पूरा करने का प्रयास करते हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि लगातार सामने आ रहे पेपर लीक के मामलों ने भाजपा सरकार की कार्यप्रणाली और जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। 22 लाख से अधिक छात्रों और उनके परिवारों का भरोसा टूटना बेहद चिंताजनक स्थिति है। उन्होंने कहा कि देश के युवाओं को सुरक्षित, निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था देना सरकार की जिम्मेदारी है और कांग्रेस पार्टी युवाओं के अधिकार, उनके भविष्य तथा समान अवसर की लड़ाई लगातार मजबूती से उठाती रहेगी।

किसानों के खातों में गेहूं खरीद के भेजे 156 करोड़ 36 लाख 1 हजार 10 रुपए - विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र 12 मई (बृज मोहन) उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिले के किसानों के खातों में गेहूं खरीद के 156 करोड़ 36 लाख 1 हजार 10 रुपए भेजे जा चुके हैं। सरकार के निर्देशानुसार उठान के 48 घंटे में किसानों के खाते में पेमेंट भेजी जा रही है। उन्होंने कहा कि जिले की अनाज मंडियों में फूड सप्लाई एवं आपूर्ति विभाग, हैफेड व हरियाणा वेयरहाउस द्वारा खरीद की जा रही है। अब तक जिले में 324461 एमटी गेहूं की खरीद की जा चुकी है। इसमें से 78987 एमटी गेहूं की लिफ्ट हो चुकी है। लिफ्ट के साथ-साथ किसानों के खातों में गेहूं खरीद का पैसा 156 करोड़ 36 लाख 1 हजार 10 रुपए भेजा जा रहा है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि फूड सप्लाई एवं आपूर्ति विभाग द्वारा 217664 एमटी गेहूं की खरीद की गई है, इसमें से 54447 एमटी गेहूं की लिफ्ट की जा चुकी है और 112 करोड़ 86 लाख, 3 हजार 245 रुपए किसानों को भेजे जा चुके हैं। हैफेड द्वारा 98309 एमटी गेहूं की खरीद की गई है, इसमें से 23646 एमटी गेहूं की लिफ्ट की जा चुकी है और 42 करोड़ 54 लाख, 83 हजार 245 रुपए किसानों को भेजे जा चुके हैं। इसी तरह हरियाणा वेयर हाउस 8388 एमटी गेहूं की खरीद की गई है, इसमें से 894 एमटी गेहूं की लिफ्ट की जा चुकी है और 95 लाख 14 हजार 520 रुपए किसानों को भेजे जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हरियाणा उद्यम प्रोत्साहन बोर्ड की 19वीं बैठक आयोजित

विभिन्न औद्योगिक परियोजनाओं को विशेष प्रोत्साहन पैकेज स्वीकृत, निवेश और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
12 मई (मुकेश डोलिया)

हरियाणा उद्यम प्रोत्साहन बोर्ड (एचईपीबी) की 19वीं बैठक सोमवार को देर सांय चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश में औद्योगिक निवेश, विनिर्माण क्षमता तथा रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न औद्योगिक इकाइयों को विशेष प्रोत्साहन पैकेज एवं अन्य राहत प्रदान करने संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में स्वीकृत विभिन्न परियोजनाओं से राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश के साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होने की संभावना है।

परियोजनाओं के लिए विशेष प्रोत्साहन पैकेज को मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव की अध्यक्षता में कार्यकारी अधिकार प्राप्त समिति (ईईसी) की सिफारिशों के आधार पर एचईपीबी द्वारा अनुमोदित किया गया। बैठक में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री श्री राव नरबीर सिंह भी उपस्थित रहे।

बैठक में बीईयूएमईआर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति-2020 के अंतर्गत 43.05 करोड़ रुपये के विशेष प्रोत्साहन पैकेज की स्वीकृति प्रदान की गई। कंपनी झज्जर जिले में अत्याधुनिक इंट्रालॉजिस्टिक्स सिस्टम मैन्युफैक्चरिंग सुविधा स्थापित करेगी, जिससे आधुनिक औद्योगिक अवसंरचना के साथ हरियाणा के 138 युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

इसी प्रकार, एआईटीएमसी वेंचर्स लिमिटेड को हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति-2020 के अंतर्गत 58.51 करोड़ रुपये के विशेष प्रोत्साहन पैकेज की स्वीकृति प्रदान की गई। कंपनी हिसार जिले में ड्रोन एवं ड्रोन कंपोनेंट्स मैन्युफैक्चरिंग हब स्थापित करेगी, जिससे रक्षा एवं एयरोस्पेस विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा तथा हरियाणा के 800 युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। बैठक में अभ्युदय प्रिंट इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड को हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति-2020 के अंतर्गत 31.68 करोड़ रुपये के विशेष प्रोत्साहन पैकेज की स्वीकृति प्रदान की गई। यह परियोजना उन्नत पैकेजिंग सामग्री निर्माण क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने के साथ हरियाणा के 105 युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराएगी।

इसी प्रकार, मार्क एग्जॉस्ट सिस्टम्स लिमिटेड को हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति-2020 के अंतर्गत 39.95 करोड़ रुपये के विशेष प्रोत्साहन पैकेज की स्वीकृति प्रदान की गई। कंपनी झज्जर जिले में ऑटो कंपोनेंट्स निर्माण इकाई स्थापित करेगी, जिससे राज्य में ऑटो कंपोनेंट्स विनिर्माण क्षेत्र को और मजबूती मिलेगी तथा हरियाणा के 123 युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। बैठक में कैनपैक इंडिया को हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति-2020 के अंतर्गत 35.21 करोड़ रुपये के विशेष प्रोत्साहन पैकेज की स्वीकृति प्रदान की गई। कंपनी मेवात जिले में एल्युमिनियम कैन निर्माण क्षमता का विस्तार करेगी, जिससे हरियाणा के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

इसके अतिरिक्त, एटीएल बैटरी टेक्नोलॉजी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड को आईटी एवं ईएसडीएम नीति-2017 के अंतर्गत स्वीकृत परियोजना हेतु निवेश समय सीमा में एक वर्ष का अंतिम विस्तार प्रदान करने को स्वीकृति दी गई। कंपनी सोहना, जिला नूंह में लिथियम-आयन सेल एवं बैटरी निर्माण परियोजना स्थापित कर रही है। बैठक में सबरोस लिमिटेड को हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति-2020 के अंतर्गत 89.91 करोड़ रुपये के विशेष प्रोत्साहन पैकेज की स्वीकृति प्रदान की गई। कंपनी खरखौदा, जिला सोनीपत में ऑटो कंपोनेंट्स निर्माण सुविधा स्थापित करेगी, जिससे राज्य में ऑटो एवं ऑटो कंपोनेंट्स क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा तथा हरियाणा के 215 युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

इसी प्रकार, जय भारत मारुति लिमिटेड को हरियाणा उद्यम एवं रोजगार नीति-2020 के अंतर्गत 43.76 करोड़ रुपये के विशेष प्रोत्साहन पैकेज की स्वीकृति प्रदान की गई। यह परियोजना राज्य में ऑटो एवं ऑटो कंपोनेंट्स क्षेत्र में निवेश एवं रोजगार सृजन को बढ़ावा देगी।

इसके अतिरिक्त, कंधारी बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड के अनुरोध के अनुरूप उद्यम प्रोत्साहन नीति-2015 के अंतर्गत पूर्व में स्वीकृत विशेष पैकेज में संशोधन करते हुए 157.83 करोड़ रुपये के संशोधित विशेष प्रोत्साहन पैकेज को स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित कुमार अग्रवाल, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के महानिदेशक श्री यश गर्ग तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

संसार से पाप और पापियों का अंत करने के लिए सृष्टि में आए भगवान परशुराम : अशोक अरोड़ा

- भगवान परशुराम के दिखाए धर्म के रास्ते पर चलने का आह्वान

» प्रथम न्यूज । कुरुक्षेत्र
12 मई (बृज मोहन)

थानेसर के विधायक एवं पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा ने रेलवे रोड स्थित भगवान परशुराम चौक पर अपने समर्थकों सहित पहुंचकर भगवान परशुराम को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके चरणों में नमन किया। इस अवसर पर श्रीब्राह्मण एवं तीर्थोद्धार सभा द्वारा संचालित कुरुक्षेत्र संस्कृत वेद विद्यालय एवं छात्रावास के ब्रह्मचारियों ने विधिवत पूजन करवाया।

अशोक अरोड़ा ने सभी देशवासियों को भगवान परशुराम जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान परशुराम ने धरती से पाप और पापियों का नाश करने के लिए अवतार लिया। वे भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाते हैं। उन्होंने कहा कि भगवान विष्णु के अवतार परशुराम ने धर्म के रास्ते पर चलने की प्रेरणा दी है। उन्होंने हमेशा धर्म के रास्ते पर चलने की सीख दी, आज हम सभी को भगवान परशुराम के दिखाए धर्म के रास्ते पर चलते हुए देश और धर्म को आगे बढ़ाना है।

इस अवसर पर इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के पूर्व चेयरमैन एवं श्रीब्राह्मण एवं तीर्थोद्धार सभा के पूर्व प्रधान जलेश शर्मा, सभा के प्रधान महासचिव रामपाल शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य राजेश जोशी, विवेक भारद्वाज डब्बू, पूर्व एमसी गौरव शर्मा गौरी, एमके इंटरप्राइजिज के मालिक महेश शर्मा, विशाल मोदगिल, पवन कुमार लीला, अश्वनी शर्मा, सतीश शर्मा, गौरव शर्मा, नगर पार्षद परमवीर सिंह प्रींस, किरमिच के सरपंच रणबीर सिंह बूरा, राजीव शर्मा अच्चु स्वामी, नरकातारी के सरपंच मास्टर केहर सिंह, सुभाष मिर्जापुर, राजेश बंसल, सुरजीत पलवल, आर्यन, नवीन शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोगों ने भगवान परशुराम को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

एनआइटी में आत्महत्याएं दुर्भाग्य पूर्ण : अरोड़ा

– अशोक अरोड़ा ने एनआइटी में विद्यार्थियों द्वारा आत्महत्या करने के मामले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि एनआइटी में पढ़ने वाले बच्चे देश के होनहार बच्चे थे। इनकी आत्महत्या के मामले की गहराई से जांच की जानी चाहिए। उन्होंने इस मामले पर प्रशासन से बातचीत कर उचित कदम उठाने की बात कही है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार को इस मामले में उच्च स्तरीय जांच करवानी चाहिए, जो भी इस मामले में दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

पेपरलेस रजिस्ट्री, इंतकाल व निशानदेही के लंबित मामले तय समय में निपटाएं अधिकारी : डीसी अपराजिता

राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में डीसी ने दिए सख्त निर्देश

कैथल, 12 मई (कृष्ण गर्ग) डीसी अपराजिता ने मंगलवार को राजस्व विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर पेपरलेस रजिस्ट्री, इंतकाल, निशानदेही, कोर्ट केस, टोकन तथा अन्य लंबित राजस्व मामलों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित मामलों का समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से निपटान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

डीसी अपराजिता ने नागरिकों को पेपरलेस रजिस्ट्री प्रक्रिया में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री स्तर पर डैशबोर्ड के माध्यम से लंबित मामलों की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है, इसलिए अधिकारी पूरी गंभीरता और जवाबदेही के साथ कार्य करें।

निशानदेही मामलों की समीक्षा के दौरान डीसी ने निर्देश दिए कि लंबित मामलों में उल्लेखनीय सुधार सुनिश्चित किया जाए। वहीं इंतकाल के पुराने लंबित मामलों का जल्द निपटान किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनावश्यक देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने सभी एसडीएम को इन कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा तय समय सीमा में लंबित मामलों का समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि राजस्व विभाग से जुड़े कार्यों में पारदर्शिता और समयबद्धता बेहद जरूरी है। लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए सभी प्रक्रियाओं को सरल और प्रभावी बनाया जाए। इस मौके पर कैथल एसडीएम संजय सिंह, गुहला एसडीएम कैप्टन प्रमेश सिंह, कलायत एसडीएम अजय हुड्डा, डीआरओ चंद्र मोहन, डीएसपी गुरविंदर सिंह के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस का ट्रैफिक कर्मियों के लिए पीपल-फ्रेंडली कम्युनिकेशन

सॉफ्ट स्किल्स एवं व्यवहार परिवर्तन पर विशेष कार्यशाला आयोजित

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
12 मई (पुनीत महाजन)

चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस द्वारा ट्रैफिक कर्मियों के लिए पीपल-फ्रेंडली कम्युनिकेशन, सॉफ्ट स्किल्स एवं व्यवहार परिवर्तन विषय पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह पहल प्रभावी पुलिसिंग, पेशेवर व्यवहार तथा सार्वजनिक सुरक्षा को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई।

यह कार्यशाला ट्रैफिक ऑडिटोरियम, सेक्टर-29, चंडीगढ़ में आयोजित हुई। कार्यक्रम का आयोजन यू.टी. चंडीगढ़ के पुलिस महानिदेशक डॉ. सागर प्रीत हुड्डा के नेतृत्व तथा पुलिस महानिरीक्षक पुष्पेंद्र कुमार एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (सिक्योरिटी एवं ट्रैफिक) सुमेर प्रताप सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यशाला की निगरानी डीएसपी/ट्रैफिक एडमिन नीरज सारना तथा डीएसपी/ट्रैफिक (आर एंड डी) रोड सेफ्टी लक्ष्य पांडे द्वारा की गई।

कार्यशाला में ट्रैफिक विंग के लगभग 120 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इंस्पेक्टर/इंचार्ज सीटीपी डॉ. परवेश शर्मा तथा इंस्पेक्टर ट्रैफिक एडमिनिस्ट्रेशन सुरिंदर कुमार ने प्रभावी संवाद, सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन और ट्रैफिक ड्यूटी के दौरान जनता के साथ पेशेवर व्यवहार के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण सत्रों का संचालन प्रतिष्ठित वक्ताओं द्वारा किया गया, जिनमें पंजाब यूनिवर्सिटी के पुलिस प्रशासन विभाग के चेयरमैन डॉ. कुलदीप सिंह, शिक्षा विभाग की प्रोफेसर डॉ. नंदिता सिंह तथा मोटिवेशनल स्पीकर एवं प्रोफेशनल एक्सीलेंस कोच अमूल्य शुक्ला शामिल रहे। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य ट्रैफिक कर्मियों की मौखिक एवं गैर-मौखिक संवाद क्षमता को मजबूत करना, स्मार्ट पुलिसिंग को बढ़ावा देना, जनता के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना तथा सार्वजनिक व्यवहार में पेशेवर दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करना था। इसमें संघर्ष समाधान, कठिन परिस्थितियों से निपटने और पुलिस-जनता संबंधों को मजबूत करने से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

इसके अतिरिक्त पुलिस-जनता संवाद एवं संचार कौशल को बेहतर बनाने के लिए इंटरएक्टिव ग्रुप एक्सरसाइज भी आयोजित की गईं। प्रतिभागियों ने ड्यूटी के दौरान आने वाली वास्तविक चुनौतियों को साझा किया, जिससे सत्र अधिक व्यावहारिक, रोचक और समाधान-उन्मुख बना। कार्यशाला को प्रतिभागियों एवं विशेषज्ञों द्वारा काफी सराहा गया। चंडीगढ़ ट्रैफिक पुलिस की यह पहल जनता के साथ बेहतर व्यवहार, सकारात्मक छवि और अधिक संवेदनशील एवं पेशेवर पुलिसिंग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए समान काम के लिए समान वेतन लागू करने की मांग, विस्तृत बैठक के लिए मांगा समय

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
12 मई (पुनीत महाजन)

कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ गवर्नमेंट एंड एम.सी. एम्प्लाइज एंड वर्कर्स, यू.टी. चंडीगढ़ द्वारा आज माननीय प्रशासक चंडीगढ़ को प्रशासन एवं नगर निगम में कार्यरत हजारों आउटसोर्स व रेगुलर कर्मचारियों की समस्याओं एवं मांगों से संबंधित एक विस्तृत मांग पत्र भेजा गया। इसके साथ ही कर्मचारियों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करने हेतु प्रतिनिधिमंडल के लिए समय भी मांगा गया। कमेटी ने अपने मांग पत्र में कहा कि यू.टी. कर्मचारियों एवं वर्करों की सभी मांगें श्रम कानूनों तथा केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए विभिन्न एक्ट्स के अनुरूप पूरी तरह जायज हैं और माननीय प्रशासक के हस्तक्षेप से इनका समाधान शीघ्र संभव है। मांग पत्र माननीय एडीसी अमनदीप सिंह भट्टी ने प्राप्त किया।

कोऑर्डिनेशन कमेटी ने चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा डीसी रेट्स में 8 प्रतिशत वृद्धि तथा तुलरबे के आधार पर अतिरिक्त 2 प्रतिशत लाभ देने के फैसले का स्वागत करते हुए प्रशासक एवं प्रशासन का धन्यवाद भी किया।

कमेटी ने बताया कि 21 अप्रैल को आयोजित यू.टी. कर्मचारियों की कन्वेंशन में निम्नलिखित प्रमुख मांगें सर्वसम्मति से पारित की गई थीं–

मजदूर विरोधी धाराओं को हटाकर लेबर कोड में संशोधन किया जाए।

डीसी रेट्स में वरिष्ठता के आधार पर वेतन वृद्धि और अगली उच्च श्रेणी का लाभ लागू किया जाए।

कर्मचारियों को समय पर वेतन सुनिश्चित किया जाए तथा वेतन में देरी पर जिम्मेदारी तय हो।

आउटसोर्स कर्मचारियों को समान काम के लिए समान वेतन के सिद्धांत के तहत वेतन दिया जाए।

बोनस एक्ट तथा ईएसआई नियमों का पूर्ण लाभ कर्मचारियों को मिले।

डेली वेज कर्मचारियों को रेगुलर करने की पॉलिसी में लंबित संशोधन जल्द लागू किए जाएं।

नगर निगम एवं अन्य विभागों में खाली पदों को शीघ्र भरा जाए तथा प्रमोशन में हो रही देरी खत्म की जाए।

नौकरी से निकाले गए सैकड़ों कर्मचारियों को पुनः बहाल किया जाए। पब्लिक हेल्थ सर्किल में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों के शोषण पर रोक लगाई जाए। रिटायर्ड कर्मचारियों को पेंशन एवं मेडिकल रिइम्बर्समेंट समय पर मिले। सिक्योरिटी गार्ड्स को कानून अनुसार 65 वर्ष तक नौकरी करने का अधिकार मिले।

यू.टी. कर्मचारियों के लिए कैशलेस मेडिकल स्कीम लागू की जाए।

मृतक कर्मचारियों के आश्रितों को नौकरी दी जाए। एम.यू. के अंतर्गत कार्यरत टॉयलेट सफाई सेवकों को डीसी रेट्स के अनुसार वेतन दिया जाए।

कर्मचारियों को जरूरी सुविधाएं जैसे टूल, टूलकिट, तेल, साबुन आदि उपलब्ध करवाए जाएं। कमेटी ने कहा कि नगर निगम से निकाले गए लगभग 450 परिवारों के सामने आज रोजी-रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है और प्रशासन के हस्तक्षेप से इन परिवारों के बुझ चुके चूल्हे दोबारा जल सकते हैं।

कमेटी ने मांग की कि प्रतिनिधिमंडल को जल्द मुलाकात का समय दिया जाए ताकि कर्मचारी अपनी समस्याओं और मांगों पर विस्तार से अपना पक्ष रख सकें।

प्रतिनिधिमंडल में प्रधान सतिंदर सिंह, महासचिव राकेश कुमार, चेयरमैन सुरेश कुमार, कन्वीनर रघबीर चंद, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट राजिंदर कुमार, चीफ पेट्रोन अनिल कुमार सहित किशोरी लाल, राहुल वैद्य, हरजीत सिंह, नरेश कुमार, राजिंदरन, टापलेन, निर्मल सिंह, कृपण, धर्मवीर, राजू वाल्मीकि, रामदुलार, अमित कुमार, प्रेमपाल, राजिंदर सिंह, रवि सिंह, अशोक बेनीवाल, गुरदेव सिंह, गुरमीत सिंह, सुखविंदर सिंह, कुलदीप सिंह आदि उपस्थित रहे।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
Website : www.prathamnews.in

आज का

संपादकीय

जीवन एक अवसर है इससे लाभ लिजिए, हानि मत पहुंचाएं

संत मदर टैरेसा ने कहा था कि जीवन एक अवसर है इससे लाभ लें,जीवन सौन्दर्य है इसकी प्रशंसा करें,जीवन एक सपना है इसे साकार करें ।जीवन अनमोल है मानव जीवन एक बार ही मिलता है बार बार नही मिलता। दुनिया में कोई भी अमर नहीं रहता क्योंकि दुनिया में जो आया है उसे एक दिन दुनिया से रुकस्त होना पड़ेगा यह अटल सच है और मौत एक अटल सच्चाई है चाहे राजा हो या रंक किसी को नहीं छोड़ती मौत कभी भेदभाव नहीं

करती ।जीवन में अच्छे कर्म करो ताकि मौत के बाद भी समाज याद करता रहे। जिंदगी का कारवां धीरे धीरे गुजर रहा है बुरे कर्म छोड़ कीजिए अच्छे कर्म कीजिए ।मानव जीवन अनमोल हैं ।आधुनिक मानव माया के मायाजाल में पागल चुका है दिन रात माया के पीछे भाग रहा है। मानव अकूत माया इकक्ठी करने के चक्कर में अपना जमीर बेच रहा है। संवेदनहीन हो गया है संवेदनाएं मर चुकी हैं ।खून के रिश्ते टूट रहे हैं खत्म होते जा रहे हैं। दूरियां व फासले बढ़ते ही जा रहे हैं ।रिश्तों का व्याकरण बदलता जा रहा है चंद स्वार्थों के लिए रिश्तों को तोडा जा रहा है। मानव आज इंटरनेट की दुनिया में अति व्यस्त हो गया है उसे कोई चिंता नहीं है कि कौन जी रहा कौन मर रहा है किसी से कोई सरोकार नहीं है ।मानव ताउम्र बुरे कर्म करता रहता है लेकिन अंतिम पड़ाव पर जब पहुंचता है तब अपने कर्मो का प्रायश्चित करता है। लालच व मोहमाया के चक्कर में रिश्तों का कत्लेआम कर रहा है। जर,जोरु जमीन के लिए खून बहा रहा है ।नैतिक मूल्यों का पतन होता जा रहा है यह पतन की पराकाष्ठा है।,संस्कारों का जनाजा निकाला जा रहा है ।मानव जीवन दुर्लभ है मानव जीवन एक बार ही मिलता है इसलिए किसी का बुरा मत कीजिए बल्कि अच्छा कीजिए। ।आज का मानव पैसों से बैंक के खातों को तो भर रहा है मगर उपर का खाता खाली है इसलिए प्रत्येक साधन-संपन्न मानव को लाचार व गरीब लोागों को दान पुण्य करना चाहिए। मानव को एकजुट होकर हर मानव का काम करना चाहिए, कहते है कि एकता में बड़ा बल होता है ।प्रत्येक मानव को पता है कि एक दिन सबको मौत आनी है तो फिर मानव क्यों नहीं समझ रहा है ।मानव जब कोई चीज बनाता है तो वह उसकी गांरटी तय करता है मगर उसकी अपनी कोई गांरटी नहीं है कि कब प्राण निकल जाएं ।मानव को एक दूसरे के सुख दुख में शामिल होना चाहिए ।समाज को मंथन करना होगा ।मौत सबको आती है कोई अमर नहीं होता ।अमर होने के लिए कर्म करने पड़ते है ।अच्छाई ही अदमी को अमर कर सकती है ।युगों-युगों तक अच्छाई की मशाल जलती रहेगी ।मानव जीवन एक बार ही मिलता है बार-बार नहीं मिलता। जीवन और मृत्यु में सिर्फ सांसों का फासला है ।आज का इंसान साम,दाम दंड ,भेद जैसी नापाक नीतियां अपनाकर रात दिन अवैध तरीकों से जायदाद जोड़ रहा है मगर किसके लिए आज तक कोई उठा कर नहीं लेकर गया तो फिर यह मोह माया क्यों है ।मानव को नीच कर्मो को छोड़ देना चाहिए अच्छे कर्म करने जीवन में कुछ एक ऐसे कार्य करने चाहिए कि समाज एक इंसान के रुप में याद करता रहे ।आधुनिक इंसान पता नहीं किस गलतफहमी में जी रहा है कि सदा ऐसे ही चलती रहेगी ।मौत एक अटल सच्चाई है। समाज में कुछ लोग ऐसे है जो गरीबों को इंसान नही नहीं समझते मगर अब हर आदमी आत्म निर्भर हो गया है। अब वह समय नहीं रहा कि किसी आदमी का प्रयोग करो और छोड़ दो। आदमी ही आदमी से भेदभाव करता है मगर मौत कोई भेदभाव नहीं करती ।जिन्दगी एक बार मिलती है फिर यह नफरत क्यों की जा रही है ।इंसान को इंसानियत नहीं भूलनी चाहिए ।हर इंसान से एक जैसा व्यवहार करना चाहिए ।सादा जीवन जीना चाहिए।

नरेन्द्र भारती
वरिष्ठ पत्रकार

सच्चे नागरिक के लिए राष्ट्र हित सर्वोपरि

वसुंधरा धर्माणी
घुमारवीं, बिलासपुर
हिमाचल प्रदेश

जब राष्ट्र किसी असाधारण स्थिति से गुजर रहा हो, तब देशभक्ति का अर्थ केवल सीमा पर बंदूक थामें सैनिकों तक सीमित नहीं रहता। उस समय देश का हर नागरिक अपने आचरण, संयम और जीवन शैली से राष्ट्र की शक्ति बनता है। सैनिक सीमा पर शत्रु से लड़ते हैं,, जबकि नागरिक भीतर से देश की आर्थिक, सामाजिक और मानसिक मजबूती सुनिश्चित करते हैं। यही कारण है, कि कठिन समय में जनता से संयम और सहयोग की अपेक्षा रहती है। युद्ध जैसे हालात हों या राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी कोई गंभीर परिस्थिति, उस समय सरकार, सेना और आम जनता--तीनों की संयुक्त भूमिका ही देश को मजबूती प्रदान करती है।

हाल ही में प्रधानमंत्री जी द्वारा देशवासियों से अपील की गई कि हम अपने संसाधनों का विवेक पूर्ण उपयोग करें--सोने की खरीदारी सीमित रखें, ईंधन बचाएं, जहां संभव हो वर्क फ्रॉम होम अपनाएं और अनावश्यक विदेशी यात्राओं से बचें। यह केवल आर्थिक सलाह नहीं, बल्कि राष्ट्र हित के प्रति हमारी साझी ज़िम्मेदारी का आह्वान है। राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र हित प्रत्येक नागरिक की साझी ज़िम्मेदारी है जिसका निर्वहन हर नागरिक को बिना किसी दबाव के निभाना चाहिए।

भारत आज विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, लेकिन ऊर्जा के क्षेत्र में हम अभी भी बड़े पैमाने पर आयात पर निर्भर हैं। पेट्रोलियम उत्पादों के लिए भारत को भारी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ती है। यदि वैश्विक तनाव, युद्ध या आपूर्ति बाधित होती है, तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं। इसका असर सीधे परिवहन, कृषि, उद्योग और रोज़मर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर पड़ता है। इसी प्रकार सोने का आयात भी भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव डालता है। भारत में सोना केवल आभूषण नहीं बल्कि भावनात्मक और सामाजिक महत्व का प्रतीक है। फिर भी संकट के समय यदि सोने की खरीद थोड़े समय के लिए टाल दी जाए, तो देश की हार्दिक स्थिति अधिक सुदृढ़ रह सकती है।

इतिहास में अनेक देशों ने संकट के समय राशनिंग, इंधन बचत, आयात नियंत्रण और उपभोग संयम जैसे कदम उठाए हैं। इसीलिए ऐसे उपाय असामान्य नहीं है, यदि उनका उद्देश्य राष्ट्रीय हित हो और वे पारदर्शी व सीमित अवधि के हों, तो उन्हें केवल अंकुश नहीं ,बल्कि सामूहिक ज़िम्मेदारी के रूप में देखा जाना चाहिए। वर्तमान समय में भारत अकेला देश नहीं है जो नागरिकों से संसाधनों की बचत और विवेकपूर्ण खर्च की अपील कर रहा है, बल्कि ऑस्ट्रेलिया ,डेनमार्क, फिलीपींस ,यूरोपीय देश और कई अन्य राष्ट्र भी ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिति के लिए इस प्रकार के कदम उठा रहे हैं।

भारतीय परंपरा सदैव संयम और त्याग की शिक्षा देती रही है। तेन त्यक्तेन भुण्जीथा---अर्थात् त्याग पूर्वक उपभोग करो। यही विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है। संसाधनों का ज़िम्मेदार उपयोग केवल आर्थिक नीति नहीं, बल्कि सांस्कृतिक मूल्य भी है। हर नागरिक अपने स्तर पर ईंधन बचाकर बड़ा योगदान दे सकता है। थोड़ी दूरी हो तो पैदल चलें, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें। अनावश्यक यात्राएं टालें। एक लीटर ईंधन की बचत करोड़ों नागरिकों के स्तर पर राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा का बड़ा आधार बन सकती है। हर चुनौती आत्म मंथन का अवसर भी होती है। यह हमें सिखाती है कि जरूरत और इच्छा में अंतर क्या है? संसाधनों का मूल्य क्या है? और सामूहिक शक्ति कितनी महत्वपूर्ण है?

देश भक्ति केवल राष्ट्रगान के समय खड़े होने या तिरंगा लहराने तक सीमित नहीं है। देश भक्ति का सबसे प्रामाणिक रूप तब दिखाई देता है ,जब हम अपनी निजी सुविधा से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देते हैं। जब कोई व्यक्ति अनावश्यक वाहन उपयोग कम करता है, बिजली की बचत करता है, विदेशी वस्तुओं की जगह स्वदेशी उत्पाद चुनता है, अफवाहें फैलाने से बचता है, ज़रूरतमंद की सहायता करता है, तब वह मौन रहकर भी राष्ट्र सेवा कर रहा होता है।

संकट के समय सच्ची देशभक्ति यही है, कि हम अनावश्यक खर्चों को रोकें। यदि हर नागरिक अपने-अपने स्तर पर थोड़ा सा त्याग करें, तो उसका सामूहिक प्रभाव देश को कठिन परिस्थितियों में भी अडिग बनाए रखता है।

राष्ट्र निर्माण केवल सरकार या सेना का कार्य नहीं है, यह 140 करोड़ भारतीयों की साझी ज़िम्मेदारी है। जब हम अपनी इच्छाओं पर संयम रखकर राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देते हैं, तभी हम सच्चे अर्थों में देशभक्ति का परिचय देते हैं। आज आवश्यकता है, कि देश की सुरक्षा केवल सीमा पर नहीं, बल्कि हमारे घरों, हमारी आदतों और निर्णयों से भी सुनिश्चित होती है। संयम, अनुशासन और सहभागिता ही संकट के समय भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। यह अपील किसी भय का संकेत नहीं, बल्कि दूरदर्शी नेतृत्व का परिचायक है।

यह हमें याद दिलाती है, कि संकट के समय राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी जागरूक जनता होती है।

बंगाल में जंगलराज का खात्मा

जब भी जगंलराज का उल्लेख होता है तो उस दौर के बिहार का स्मरण हो आता है, जब लालू यादव मुख्यमंत्री हुआ करते थे। उनके मुख्यमंत्री रहते समय बिहार अराजकता को लेकर इस कदर बदनाम हुआ कि राष्ट्रीय जनता दल को उसके दुष्परिणाम आज तक भोगने पड़ रहे हैं। चुनावों के समय राजद के विरोधी दल लोगों को लालू के जंगलराज के भयावह दिनों की याद दिलाते हैं और इतने से ही उनका काम आसान हो जाता है।

इसका कारण यह है कि बिहार के लोग यह भूल नहीं सके हैं कि लालू यादव के शासनकाल में किस तरह अपहरण और फिरौती ने उद्योग का रूप ले लिया था और राज्य के अनेक शहरों में भी सांझ ढलते ही कैसा सन्नाटा छा जाता था। बिहार के लोग यह भी नहीं भूले हैं कि शहाबुद्दीन सरीखे माफिया का कैसा आतंक था और उनके जैसे बाहुबलियों को किस प्रकार लालू का संरक्षण प्राप्त था। जैसे यह पता नहीं कि बिहार राजद के जंगलराज की यादों से कब मुक्त होगा, वैसे ही यह कहना भी कठिन है कि पश्चिम बंगाल ममता बनर्जी के कुशासन की पराकाष्ठा को कब तक भूल सकेगा? यह कुशासन एक किस्म का जंगलराज ही था और कुछ मायनों में तो बिहार से भी बदतर था।

लालू यादव का शासन इसलिए जंगलराज के रूप में कुख्यात हुआ, क्योंकि अगस्त 1997 में किसी मामले को लेकर पटना उच्च न्यायालय ने यह टिप्पणी कर दी थी, %बिहार में कोई सरकार नहीं है, यह जंगलराज से भी खराब है ।卐 ऐसी कोई टिप्पणी कलकत्ता उच्च न्यायालय ने ममता शासन को लेकर तो नहीं की, पर हिंसा और भ्रष्टाचार के कई मामलों को लेकर उसने उसे न जाने कितनी बार फटकार लगाई, वह चाहे 2021 की चुनाव बाद की हिंसा रही हो या आरजी कर अस्पताल कांड या फिर शिक्षक भर्ती घोटाला। अभी हाल में ममता सरकार को सीमा पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को जमीन न देने के लिए फटकार लगी। ममता सरकार को कुछ मामलों में सुप्रीम कोर्ट से भी कई बार फटकार लगी।

बंगाल में 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद हिंसा के चलते जो लोग अपना घर-बार छोड़ने के लिए असम में शरण लेने को मजबूर हुए थे, उनमें से कुछ तो महीनों तक अपने घरों को लौट नहीं सके थे। यह हिंसा इतनी खुली और भीषण थी कि यदि नेहरू और इंदिरा का जमाना होता तो शायद ममता के शपथग्रहण के पहले ही राष्ट्रपति शासन लग जाता। न्यायपालिका के आदेश पर इस भीषण हिंसा की जांच राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने की थी, क्योंकि जब यह हिंसा हो रही थी तो पुलिस मूकदर्शक बनी हुई थी। इस आयोग ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा था कि बंगाल में कानून का शासन नहीं, बल्कि शासकों का कानून लागू है। अराजकता के मामले में संदेशखाली की हिंसा को भी नहीं भूला जा सकता। चूंकि इस हिंसा के लिए जिम्मेदार नेता को टीएमसी का संरक्षण प्राप्त था, इसलिए उसे बहुत दिनों बाद गिरफ्तार किया जा सका।

अराजकता को बयान करने वाली मुर्शिदाबाद की घटना को भी नहीं भूला जा सकता। वक्फ कानून के कथित विरोध के नाम पर मुर्शिदाबाद में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा का जमकर नंगा नाच किया गया। तब उपद्रवी तत्वों के आतंक से डरे हुए लोगों ने असम और झारखंड जाकर अपनी जान बचाई थी। ममता के शासन के समय टीएमसी के बाहुबली नेताओं-कार्यकर्ताओं और उनके द्वारा संरक्षित गुंडों का दुस्साहस इतना अधिक बढ़ा हुआ था कि वे पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों को भी निशाना बनाने में संकोच नहीं करते थे। वे हर किसी से अवैध वसूली, उगाही करते थे। चूंकि ममता सेक्युलर नेता मानी जाती थीं, इसलिए लिबरल किस्म के लोगों ने यह देखने की चेष्टा ही नहीं की कि वे किस तरह अल्पसंख्यकों और यहां तक कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के तुष्टीकरण में लिप्त हैं और उन्होंने अपने कैडर को किस प्रकार मनमानी करने की छूट दे रखी है। बंगाल में चुनाव नतीजों के बाद उत्साहित, भावुक और ममता के शासनकाल में प्रताड़ित अथवा पलायन करने को मजबूर हुए लोगों की जैसी खबरें, फोटो, वीडियो आ रहे हैं, वे चीख-चीख कर यही कह रहे हैं कि ममता का शासन निरंकुशता का खौफनाक पर्याय बनकर रह गया था।

'नो मोर बैक बेंचर : शिक्षा में समानता और आत्मविश्वास की नई पहल

शिक्षा केवल पुस्तकों का ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के व्यक्तित्व, सोच, व्यवहार और भविष्य निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। विद्यालय वह स्थान होता है जहाँ एक बालक केवल पढ़ना-लिखना ही नहीं सीखता, बल्कि जीवन के मूल्यों, अनुशासन, आत्मविश्वास और सामाजिक व्यवहार को भी समझता है।

एक आदर्श शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी को समान अवसर प्रदान करना होता है, ताकि कोई भी बच्चा स्वयं को दूसरों से कम न समझे। परन्तु लंबे समय से विद्यालयों में एक ऐसी परंपरा चली आ रही है जिसने अनजाने में विद्यार्थियों को आगे बैठने वाले और पीछे बैठने वाले वर्गों में बाँट दिया। यह विभाजन केवल बैठने की व्यवस्था तक सीमित नहीं रहा, बल्कि धीरे-धीरे विद्यार्थियों की मानसिकता, आत्मविश्वास और सामाजिक पहचान का हिस्सा बन गया।

सामान्यत: विद्यालयों में आगे बैठने वाले विद्यार्थियों को अधिक होशियार, अनुशासित और शिक्षकों के प्रिय छात्र माना जाता है, जबकि पीछे बैठने वाले बच्चों को कमजोर, शरारती या पढ़ाई में कम रुचि रखने वाला समझ लिया जाता है। यह धारणा पूरी तरह सही नहीं होती, क्योंकि हर विद्यार्थी की क्षमता, रुचि और परिस्थितियाँ अलग-अलग होती हैं।

कई बार कोई विद्यार्थी शर्मीले स्वभाव के कारण पीछे बैठता है, कोई आत्मविश्वास की कमी के कारण, तो कोई केवल इसलिए कि उसे अवसर ही नहीं मिला। लेकिन समाज और विद्यालय की यह सोच उसके व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव डालती है। धीरे-धीरे वह स्वयं को कमतर मानने लगता है और उसकी प्रतिभा दबकर रह जाती है।

इसी सोच को बदलने के उद्देश्य से नो मोर बैक बेंचर जैसी पहल सामने आई है। यह केवल बैठने की व्यवस्था बदलने का प्रयास नहीं है, बल्कि शिक्षा में समानता, आत्मसम्मान और सहभागिता की नई सोच को विकसित करने का अभियान है। इस पहल का मूल उद्देश्य यह संदेश देना है कि कोई भी विद्यार्थी बैक बेंचर नहीं होता। हर छात्र में प्रतिभा होती है और प्रत्येक बच्चे को सीखने, आगे बढ़ने और स्वयं को अभिव्यक्त करने का समान अधिकार है।

वास्तव में बैक बेंचर शब्द ने वर्षों से विद्यार्थियों के मन में एक नकारात्मक पहचान बना दी है। जब किसी बच्चे को बार-बार यह महसूस कराया जाता है कि वह कमजोर है, तो उसका आत्मविश्वास टूटने लगता है। वह कक्षा में प्रश्न पूछने से डरता है, अपनी बात रखने से हिचकता है और धीरे-धीरे शिक्षा से दूरी बनाने लगता है। कई प्रतिभाशाली विद्यार्थी केवल इसलिए पीछे रह जाते हैं क्योंकि उन्हें सही प्रोत्साहन नहीं मिल पाता। शिक्षा का उद्देश्य किसी बच्चे को लेबल देना नहीं, बल्कि उसकी क्षमताओं को पहचानना और उन्हें विकसित करना होना चाहिए।

नो मोर बैक बेंचर पहल इस बात पर जोर देती है कि कक्षा में हर विद्यार्थी समान है। यदि बैठने की व्यवस्था बदलती रहे, यदि प्रत्येक छात्र को शिक्षक के निकट आने का अवसर मिले, यदि हर बच्चे को अपनी बात रखने का मंच मिले, तो शिक्षा अधिक लोकतांत्रिक और प्रभावी बन सकती है। यह पहल विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने का कार्य करती है। जब पीछे बैठने वाला विद्यार्थी पहली बार आगे बैठता है और शिक्षक उससे प्रश्न पूछते हैं, उसकी प्रशंसा करते हैं या उसे चर्चा में शामिल करते हैं, तो उसके भीतर एक नई ऊर्जा पैदा होती है। उसे महसूस होता है कि वह भी महत्वपूर्ण है।

बीएस शैट्टी चेत
(शिक्षाविद्)

विद्यालयों में अक्सर यह देखा जाता है कि शिक्षक अनजाने में उन्हीं विद्यार्थियों पर अधिक ध्यान देते हैं जो आगे बैठते हैं। परिणामस्वरूप पीछे बैठने वाले विद्यार्थी उपेक्षित महसूस करते हैं। यह उपेक्षा धीरे-धीरे उनके प्रदर्शन को प्रभावित करती है। यदि शिक्षक सभी विद्यार्थियों के साथ समान व्यवहार करें, प्रत्येक बच्चे को भागीदारी का अवसर दें और केवल अंकों के आधार पर विद्यार्थियों का मूल्यांकन न करें, तो शिक्षा अधिक समावेशी बन सकती है। नो मोर बैक बेंचर इसी समावेशी शिक्षा की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

आज की शिक्षा प्रणाली में केवल रटकर परीक्षा पास करना ही सफलता का मापदंड नहीं रह गया है। आधुनिक युग में रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल, आत्मविश्वास और समस्या समाधान जैसी क्षमताओं को अधिक महत्व दिया जा रहा है। कई बार जो विद्यार्थी पारंपरिक पढ़ाई में बहुत अच्छे नहीं होते, वे खेल, कला, संगीत, विज्ञान प्रयोग, तकनीक या नेतृत्व में असाधारण प्रतिभा रखते हैं। लेकिन बैक बेंचर की छवि उनके आत्मविश्वास को प्रभावित करती है। यह पहल विद्यार्थियों को यह विश्वास दिलाती है कि उनकी पहचान केवल उनके बैठने के स्थान या परीक्षा के अंकों से तय नहीं होती।

इस पहल का एक महत्वपूर्ण सामाजिक पक्ष भी है। समाज में अक्सर तुलना की प्रवृत्ति बहुत अधिक होती है। माता-पिता अपने बच्चों की तुलना दूसरे बच्चों से करते हैं। विद्यालयों में भी टॉपर और कमजोर छात्र जैसी धारणाएँ बन जाती हैं। इससे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कई विद्यार्थी तनाव, भय और हीनभावना का शिकार हो जाते हैं। नो मोर बैक बेंचर जैसी सोच बच्चों को मानसिक रूप से मजबूत बनाने में सहायक हो सकती है। यह उन्हें यह सिखाती है कि असफलता या कमजोरी स्थायी नहीं होती। उचित मार्गदर्शन और अवसर मिलने पर हर बच्चा आगे बढ़ सकता है।

हिमाचल प्रदेश सहित देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसी पहलें शिक्षा के क्षेत्र में नई उम्मीद जगा रही हैं। कुछ विद्यालयों में सीट रोटेशन प्रणाली लागू की जा रही है, जहाँ प्रत्येक विद्यार्थी को समय-समय पर अलग-अलग स्थानों पर बैठने का अवसर मिलता है। इससे बच्चों के बीच भेदभाव कम होता है और सभी को समान अनुभव प्राप्त होता है। इसके अलावा समूह आधारित गतिविधियाँ, चर्चा सत्र, प्रोजेक्ट कार्य और सहभागितापूर्ण शिक्षण पद्धतियाँ भी विद्यार्थियों के बीच समानता को बढ़ावा देती हैं।

डिजिटल शिक्षा और आधुनिक तकनीक के इस दौर में भी यह पहल अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज ऑनलाइन कक्षाओं, स्मार्ट क्लासरूम और डिजिटल लर्निंग के माध्यम से शिक्षा का स्वरूप बदल रहा है। लेकिन यदि मानसिकता नहीं बदली, तो तकनीक भी समानता स्थापित नहीं कर सकती। आवश्यक यह है कि शिक्षक और अभिभावक बच्चों को समझें, उनकी रुचियों को पहचानें और उन्हें प्रोत्साहित करें। एक बच्चे की सफलता केवल अंकों से नहीं मापी जानी चाहिए, बल्कि उसके व्यक्तित्व विकास, नैतिक मूल्यों और आत्मविश्वास से भी मापी जानी चाहिए।

शिक्षकों की भूमिका इस पहल में सबसे महत्वपूर्ण है। शिक्षक केवल पाठ पढ़ाने वाले व्यक्ति नहीं होते, बल्कि वे विद्यार्थियों के मार्गदर्शक और प्रेरणास्त्रोत होते हैं। यदि शिक्षक किसी कमजोर विद्यार्थी को प्रोत्साहित करते हैं, उसकी छोटी-छोटी उपलब्धियों की सराहना करते हैं और उसे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं, तो उसका जीवन बदल सकता है। इतिहास गवाह है कि अनेक महान व्यक्तियों को बचपन में कमजोर या साधारण छात्र माना गया, लेकिन उचित अवसर और आत्मविश्वास ने उन्हें महान बना दिया। इसलिए किसी भी विद्यार्थी को उसकी वर्तमान स्थिति के आधार पर कमतर नहीं आँकना चाहिए।

अभिभावकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। कई बार माता-पिता अपने बच्चों पर अत्यधिक दबाव डालते हैं। वे चाहते हैं कि उनका बच्चा हर परीक्षा में अव्वल आए। इससे बच्चे पर मानसिक दबाव बढ़ता है। यदि बच्चा अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरता, तो वह स्वयं को असफल समझने लगता है।

अभिभावकों को यह समझना चाहिए कि हर बच्चा अलग होता है। किसी में गणित की प्रतिभा होती है, किसी में कला की, किसी में खेल की और किसी में नेतृत्व की। बच्चों को तुलना और दबाव के बजाय प्रोत्साहन और विश्वास की आवश्यकता होती है।

नो मोर बैक बेंचर पहल शिक्षा को मानवीय बनाने का प्रयास है। यह हमें याद दिलाती है कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल परीक्षा परिणाम नहीं, बल्कि एक संवेदनशील, आत्मविश्वासी और जिम्मेदार नागरिक का निर्माण करना है। यदि विद्यालयों में समानता, सम्मान और सहयोग का वातावरण बनेगा, तो विद्यार्थी न केवल अच्छे छात्र बनेंगे, बल्कि अच्छे इंसान भी बनेंगे।

इस पहल का एक मनोवैज्ञानिक महत्व भी है। मनोविज्ञान के अनुसार जब किसी व्यक्ति को लगातार नकारात्मक पहचान दी जाती है, तो वह उसी पहचान को स्वीकार करने लगता है। इसे लेबलिंग प्रभाव कहा जाता है। यदि किसी विद्यार्थी को बार-बार कमजोर, शरारती या बैक बेंचर कहा जाए, तो वह स्वयं को वैसा ही मानने लगता है। इसके विपरीत यदि उसे प्रेरित किया जाए, उसकी क्षमता पर विश्वास जताया जाए, तो उसका प्रदर्शन बेहतर हो सकता है। इसलिए विद्यालयों में सकारात्मक वातावरण अत्यंत आवश्यक है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि शिक्षा व्यवस्था में केवल पाठ्यक्रम और परीक्षा सुधार ही नहीं, बल्कि सोच का भी परिवर्तन हो।

विद्यार्थियों को प्रतिस्पर्धा के बजाय सहयोग की भावना सिखाई जानी चाहिए। कक्षा में ऐसा वातावरण होना चाहिए जहाँ कोई बच्चा डर या हीनभावना महसूस न करे। प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी राय रखने, प्रश्न पूछने और सीखने का अधिकार होना चाहिए। यही वास्तविक लोकतांत्रिक शिक्षा है।

नो मोर बैक बेंचर पहल हमें यह भी सिखाती है कि समाज में किसी व्यक्ति की पहचान उसके स्थान से नहीं, बल्कि उसकी क्षमता और प्रयास से होती है।

जीवन में अनेक ऐसे लोग हुए हैं जिन्हें कभी साधारण या कमजोर समझा गया, लेकिन उन्होंने अपनी मेहनत और आत्मविश्वास से असाधारण सफलता प्राप्त की। इसलिए विद्यालयों को केवल टॉपर बनाने वाली संस्था नहीं, बल्कि हर बच्चे की प्रतिभा को निखारने वाला मंच बनना चाहिए।

यदि यह पहल व्यापक स्तर पर लागू होती है, तो इसका प्रभाव केवल विद्यालयों तक सीमित नहीं रहेगा। इससे समाज में समानता, सम्मान और आत्मविश्वास की भावना मजबूत होगी। बच्चे जब समानता के वातावरण में बड़े होंगे, तो वे भविष्य में भी भेदभाव और हीनभावना से दूर रहेंगे। वे दूसरों का सम्मान करना सीखेंगे और समाज को अधिक संवेदनशील तथा समावेशी बनाएंगे।

अंतत कहा जा सकता है कि नो मोर बैक बेंचर केवल एक शैक्षिक पहल नहीं, बल्कि एक सामाजिक परिवर्तन का संदेश है। यह शिक्षा को अधिक मानवीय, समानतापूर्ण और प्रेरणादायक बनाने का प्रयास है। हर बच्चा विशेष है, हर विद्यार्थी में प्रतिभा है और हर किसी को आगे बढ़ने का अधिकार है। जब विद्यालयों में यह सोच विकसित होगी कि कोई भी बच्चा पीछे नहीं है, तभी वास्तविक शिक्षा का उद्देश्य पूरा होगा। शिक्षा का प्रकाश तभी सार्थक होगा जब वह हर विद्यार्थी तक समान रूप से पहुँचे और प्रत्येक बच्चे के भीतर यह विश्वास जगाए कि वह भी सक्षम है, महत्वपूर्ण है और अपने सपनों को पूरा कर सकता है।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
हिमाचल न्यूज
Website : www.prathamnews.in

डिजिटल युग में विधायी प्रक्रियाओं में एकरूपता संस्थागत की आवश्यकता

नेवा के दौर में विधानसभाओं के लिए प्रक्रियात्मक समन्वय जरूरी : कुलदीप पठानिया

» प्रथम न्यूज । मैसूर/नई दिल्ली
12 मई (एएम नाथ)

हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा है कि डिजिटल विधानसभाओं और प्रौद्योगिकी आधारित शासन व्यवस्था के इस दौर में विधायी प्रक्रियाओं में एकरूपता अब केवल अपेक्षा नहीं, बल्कि एक संस्थागत आवश्यकता बन चुकी है। उन्होंने कहा कि समन्वित नियम पारदर्शिता, कार्यपालिका की जवाबदेही और लोकतांत्रिक संस्थाओं में समरूपता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पठानिया मंगलवार को कर्नाटक के मैसूर में आयोजित विधायी निकायों के लिए प्रक्रिया एवं कार्य संचालन के समान मॉडल नियम तैयार करने के लिए पीठासीन अधिकारियों की समिति की प्रारंभिक बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक की अध्यक्षता सतीश महाना ने की।

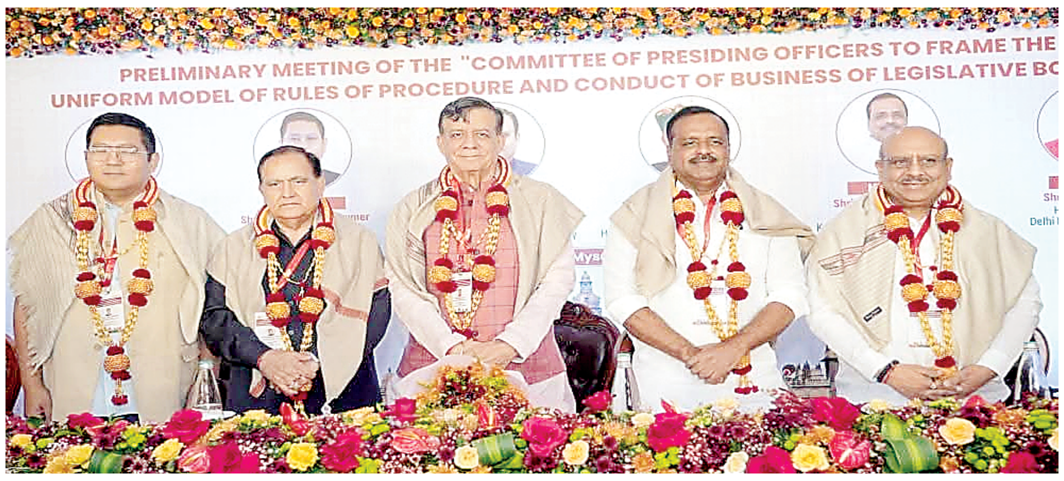

उन्होंने पटना में आयोजित 85वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में लिए गए निर्णय का स्वागत करते हुए इसे ऐतिहासिक और दूरदर्शी संस्थागत सुधार बताया। पठानिया ने कहा कि इससे देशभर की विधानसभाओं के कार्य संचालन में अधिक समन्वय, पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित होगी।

संवैधानिक प्रावधानों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 118 संसद के दोनों सदनों को अपनी प्रक्रिया और कार्य संचालन के नियम बनाने का अधिकार देता है, जबकि अनुच्छेद 208 राज्यों की विधानसभाओं को भी समान अधिकार प्रदान करता है।

उन्होंने कहा कि ये प्रावधान विधानसभाओं को अपनी आंतरिक कार्यप्रणाली संचालित करने की स्वतंत्रता देते हैं, साथ ही संसदीय परंपराओं और नवीन प्रक्रियाओं को अपनाने का अवसर भी प्रदान करते हैं।

पठानिया ने कहा कि संविधान लागू होने के बाद सभी विधानसभाओं में समय-समय पर लोकतांत्रिक और प्रशासनिक जरूरतों के अनुरूप नियमों में संशोधन किए गए हैं। अधिकांश राज्यों ने लोकसभा की कार्यप्रणाली के ढांचे का अनुसरण किया है, हालांकि स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार उनमें बदलाव भी किए गए। इससे देशभर की विधानसभाओं में प्रक्रियात्मक समानता विकसित हुई है।

उन्होंने कहा कि विधायी नियम स्थिर दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि लोकतांत्रिक ढांचे के अनुरूप समय के साथ विकसित होने वाली व्यवस्थाएं हैं। समान मॉडल नियम विधानसभाओं के बीच समरूपता को मजबूत करेंगे, प्रक्रियात्मक अस्पष्टताओं को कम करेंगे तथा कार्यपालिका की जवाबदेही को और प्रभावी बनाएंगे।

राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन (नेवा) का उल्लेख करते हुए पठानिया ने कहा कि विधानसभाओं के तेजी से हो रहे डिजिटलीकरण के दौर में डिजिटल दस्तावेजीकरण, ई-समितियों और तकनीक आधारित विधायी निगरानी के लिए प्रक्रियात्मक समन्वय अत्यंत आवश्यक हो गया है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसा कोई भी ढांचा राज्यों की संवैधानिक स्वतंत्रता का सम्मान करने वाला और परामर्श आधारित होना चाहिए। इसके साथ ही क्षेत्रीय आवश्यकताओं और स्थानीय परंपराओं के अनुरूप पर्याप्त लचीलापन भी बनाए रखना जरूरी है।

संक्षिप्त न्यूज

पट्टा ब्लॉक में नामांकन पत्रों की जांच हुई पूरी, एक प्रत्याशी का नामांकन हुआ रद्द

पट्टा महलोग, 12 मई (तारा) – आगामी पंचायत चुनावों के लिए प्राप्त नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया मंगलवार को संबंधित निर्वाचन अधिकारियों द्वारा निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों के अनुसार शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न की गई। जांच उपरांत नियम 39(8) के अंतर्गत विधिमान्य नामांकन अभ्यर्थियों की सूची तैयार की गई, जिसमें प्रधान पद हेतु 141, उप-प्रधान पद हेतु 139 तथा वार्ड सदस्य पद हेतु 271 नामांकन पत्र विधिमान्य पाए गए। इस प्रकार कुल 551 नामांकन पत्र वैध पाए गए, जबकि जांच प्रक्रिया के दौरान केवल एक नामांकन पत्र उप-प्रधान पद के लिए निरस्त किया गया। विधिमान्य नामांकन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद अब कुल 551 प्रत्याशी चुनाव मैदान में शेष रह गए हैं। वहीं जिला परिषद के लिए प्रारंभिक रूप से कुल 11 नामांकन पत्र प्राप्त हुए थे, जिनमें से जांच उपरांत 10 नामांकन पत्र वैध पाए गए। जिला परिषद वार्ड नंबर 10 दरवा एवं वार्ड नंबर 11 मंधाला के लिए प्राप्त नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया में कोई भी नामांकन निरस्त नहीं हुआ। वार्ड नंबर 11 मंधाला में एक अभ्यर्थी द्वारा नामांकन पत्रों के दो सेट जमा करवाए गए थे, जिनमें से जांच उपरांत एक नामांकन सेट स्वीकार किया गया। प्रशासन द्वारा पूरी प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं तथा अधिकारियों ने प्रत्याशियों एवं आमजन से आदर्श आचार संहिता का पालन करते हुए चुनाव प्रक्रिया के दौरान शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखने की अपील की है।

पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव को लेकर मतदान कर्मियों की चुनावी रिहर्सल आयोजित

बिलासपुर, 12 मई (धर्मपाल/जितेंद्र गौतम)– विकासखंड सदर बिलासपुर के अंतर्गत पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव 2026 के सफल एवं निष्पक्ष संचालन को लेकर पीठासीन अधिकारियों एवं पोलिंग अधिकारियों के प्रथम चरण के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन अम्बेडकर भवन लखनपुर में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 350 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विकास खंड अधिकारी सदर विजय कुमार तथा जिला अंकेक्षण अधिकारी एवं नोडल अधिकारी प्रशिक्षण विश्वनाथ शर्मा ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पंचायत चुनाव प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को बैलट पेपर, बैलट बॉक्स तथा पंचायत चुनाव में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न प्रपत्रों को भरने की प्रक्रिया विस्तार पूर्वक समझाई गई। इसके अतिरिक्त मतदाताओं द्वारा मतपत्र पर मोहर लगाने की सही प्रक्रिया, मतदाता सूची के उपयोग एवं ऑनलाइन डाटा भरने संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

4500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है जनजातीय क्षेत्र पांगी का चस्क भटोरी मतदान केंद्र

पंचायती राज चुनाव-2026 में 19 परिवारों के 98 मतदाता करेंगे मतदान

» प्रथम न्यूज । चंबा (पांगी)
12 मई (एएम नाथ)

जिला चंबा का जनजातीय क्षेत्र पांगी में पंचायती राज चुनाव-2026 के तहत ग्राम पंचायत सेचू का वार्ड चस्क भटोरी पांगी घाटी का ही नहीं बल्कि जिला चम्बा का सबसे ऊंचाई वाला मतदान केंद्र है। यह मतदान केंद्र समुद्र तल से लगभग 4500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

इस मतदान केंद्र पर लगभग 19 परिवारों के 98 मतदाता मतदान करेंगे, जिनमें 57 पुरुष और 41 महिला मतदाता शामिल हैं।

चस्क भटोरी मतदान केंद्र पांगी घाटी के मुख्यालय किलाड़ से लगभग 45 किलोमीटर दूर स्थित है। किलाड़ से चस्क तक बस द्वारा पहुंचा जा सकता है, जबकि चस्क से भटोरी तक लगभग 6 किलोमीटर पैदल यात्रा करनी पड़ती है।

अत्यधिक ऊंचाई और खराब मौसम के कारण यहां कभी भी बर्फबारी शुरू हो सकती है। इसके बावजूद चुनाव ड्यूटी में तैनात कर्मचारी और स्थानीय लोग लोकतंत्र के इस पर्व को सफल बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव 2026 के लिए दाखिल नामांकन पत्रों की हुई जांच

बिलासपुर, 12 मई (जितेंद्र गौतम) जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने बताया कि जिला में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव के लिए दाखिल नामांकन पत्रों की आज जांच की गई। जांच के दौरान जिला कुल 21 नामांकन पत्र विभिन्न कारणों से रद्द हुए तथा अब कुल 4682 उम्मीदवार चुनावी दौड़ में बने हुए है। उन्होंने बताया कि नामांकन पत्रों की जांच के उपरांत सही पाए गए उम्मीदवार आगामी 14 और 15 मई को अपराहन 3 बजे तक अपने नाम वापिस ले सकेंगे। नाम वापिसी की समयसीमा पूर्ण होने के उपरांत सम्बन्धित उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आबंटित कर दिए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि जिला में 14 जिला परिषद वार्डों के लिए कुल 85 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए थे। जिनमें से 03 विभिन्न कारणों से रद्द हुए है। इसी प्रकार जिला की चार पंचायत समितियों के लिए कुल 435 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र भरे है तथा जांच के दौरान 06 नामांकन पत्र विभिन्न कारणों से रद्द हुए है।

वहीं जिला की 182 ग्राम पंचायतों के विभिन्न पदों के लिए कुल 4183 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र प्रस्तुत किए हैं तथा जांच के दौरान 12 नामांकन पत्र विभिन्न कारणों से रद्द हुए है। जिनमें प्रधान पद के लिए 864 उम्मीदवारों में से 03 के नामांकन पत्र रद्द हुए है जबकि उप प्रधान पद के लिए दाखिल 956 नामांकन पत्रों में से 02 नामांकन पत्र तथा पंचायत सदस्यों के लिए दाखिल हुए 2363 नामांकन पत्रों में से 07 नामांकन पत्र रद्द हुए है।

राहुल कुमार ने बताया कि जिला की विभिन्न पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव के लिए कुल 4703 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र प्रस्तुत किए थे जिनमें से अब 4682 नामांकन पत्र ही सही पाए गए है।

मां ज्वाला के दरबार में कपूरथला से आए प्रेमी जोड़े पर टूटा दुखों का पहाड़

ज्वालामुखी में शादी से पहले मातम, सड़क हादसे में युवती की मौत

ज्वालामुखी (एएम नाथ)– हिमाचल प्रदेश के ज्वालामुखी में शादी करने पहुंचे पंजाब के एक प्रेमी जोड़े की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब सड़क हादसे में युवती की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद प्रेमी युवक बीच सड़क पर प्रेमिका के शव के पास फूट-फूट कर रोता रहा। यह मार्मिक दृश्य देखकर मौके पर मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं।

जानकारी के अनुसार पंजाब के कपूरथला निवासी युवक और युवती सोमवार देर रात मां श्री ज्वालामुखी मंदिर में दर्शन करने पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि दोनों शादी करने के उद्देश्य से हिमाचल आए थे। मंदिर में माथा टेकने के बाद दोनों ज्वालामुखी बाईपास पर सड़क किनारे घूम रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने युवती को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में युवती सिमरन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हादसे के बाद युवक बदहवास होकर सड़क पर बैठ गया और प्रेमिका के शव को देखकर जोर-जोर से विलाप करता रहा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगामी कार्रवाई शुरू की।

पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है। युवती के स्वजन को भी हादसे की सूचना दे दी गई है।

मंडी के तिरस्कार का खामियाजा भुगतेगी सुक्खू सरकार : जयराम ठाकुर

» प्रथम न्यूज । मंडी
12 मई (एएम नाथ)

छोटी काशी के नाम से विख्यात मंडी नगर निगम चुनावों की तपिश के बीच पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेश की वर्तमान कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। प्रचार अभियान के दौरान एक के बाद एक चार जनसभाओं को संबोधित करते हुए ठाकुर ने स्पष्ट किया कि मंडी की जनता के साथ हो रहे सौतेले व्यवहार का जवाब आगामी चुनावों में कांग्रेस को भुगतना होगा। मीडिया से बातचीत के दौरान जयराम ठाकुर ने सुक्खू सरकार पर क्षेत्रीय भेदभाव का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सत्ता परिवर्तन होते ही कांग्रेस सरकार ने मंडी के विकास को ठप करने का अभियान शुरू कर दिया था। मंडी की जनता से उनकी प्राथमिकताएं और विकास की योजनाएं चुन-चुनकर छीनी गई हैं। जिस शहर ने प्रदेश को अपना नेतृत्व दिया, उसे आज तिरस्कृत किया जा रहा है। ठाकुर ने जोर देकर कहा कि मंडी की जनता जागरूक है और इस अपमान का खामियाजा सुक्खू सरकार को चुनावों में हार के रूप में चुकाना पड़ेगा। उन्होंने दावा किया कि नगर निगम मंडी में भाजपा एक बार फिर पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगी।

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने आज मंडी नगर निगम चुनाव प्रचार अभियान के तहत वार्ड नंबर 6 सन्यारड़, वार्ड नंबर 9 पैलेस कॉलोनी-2, वार्ड नंबर 10 सुहड़ा तथा वार्ड नंबर 8 पैलेस कॉलोनी-1 में जनसंपर्क अभियान चलाकर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में समर्थन और वोट की अपील की।

इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से संवाद करते हुए भाजपा की नीतियों, विकास कार्यों और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। जयराम ठाकुर ने मंडी नगर निगम के सभी 14 वार्डों में भाजपा प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील करते हुए कहा कि नगर निगम में भाजपा की जीत मंडी के विकास, पारदर्शी व्यवस्था और जनहित के कार्यों को नई गति देगी।

मुख्यमंत्री सुक्खू की कार्यप्रणाली पर सवाल

नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व और निर्णय लेने की क्षमता पर भी कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि सीएम को अपने ही फैसलों को बदलने की आदत हो गई है। जयराम ठाकुर के अनुसार, सरकार ऐसे निर्णय लेती है जिनका कोई ठोस आधार नहीं होता और फिर दबाव या विफलता के कारण उन्हें वापस ले लिया जाता है। बिना सिर-पैर के फैसले लेना और फिर उन पर अडिग न रहना सुक्खू सरकार की पहचान बन गई है, जिससे राज्य की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

हालांकि, उन्होंने नशे (चिट्टे) के खिलाफ सरकार के अभियान पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए कहा कि इस मुद्दे पर भाजपा सरकार के साथ है, लेकिन सरकार को अपनी नीतियों में स्पष्टता और दृढ़ता लाने की आवश्यकता है।

शिवधाम के काम को रोकने का आरोप

पर्यटन के मुद्दे पर बोलते हुए जयराम ठाकुर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस आह्वान का स्वागत किया, जिसमें उन्होंने देशवासियों से स्वदेशी पर्यटन स्थलों को वरीयता देने की बात कही है। ठाकुर ने कहा कि हिमाचल में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं और पीएम के इस संदेश से उन अनछुए स्थलों को नई पहचान मिलेगी जो अब तक उपेक्षित रहे हैं।

इस दौरान उन्होंने मंडी के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट शिवधाम का जिक्र करते हुए सरकार को घेरा। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने मंडी को धार्मिक पर्यटन का केंद्र बनाने के लिए शिवधाम का निर्माण शुरू कराया था, लेकिन वर्तमान सरकार ने द्वेष की राजनीति के चलते इसके काम को रोक दिया है। यदि यह प्रोजेक्ट पूरा होता, तो मंडी की आर्थिकी और पहचान वैश्विक स्तर पर और मजबूत होती।

भाजपा का बढ़ता कुनबा और चुनावी समीकरण

प्रचार के दौरान भाजपा को उस समय बड़ी मजबूती मिली जब मुस्लिम समुदाय के लगभग 20 लोगों ने कांग्रेस और अन्य दलों का साथ छोड़ भाजपा का दामन थामा। जयराम ठाकुर ने उन्हें पटका पहनाकर पार्टी में शामिल किया। उन्होंने भगवाहन, मंगवाई, समखेतर, सनयार्ड और पैलेस-1 व पैलेस-2 जैसे वार्डों में सघन जनसंपर्क किया। जयराम ठाकुर ने आत्मविश्वास के साथ कहा, गत चुनावों में हमने 15 में से 11 सीटों पर जीत दर्ज की थी, लेकिन इस बार जनता का उत्साह बता रहा है कि यह आंकड़ा और भी बड़ा होने वाला है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष निहाल चंद शर्मा सहित भाजपा के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

शादी समारोह से लौट रहे व्यक्ति की गिरने से मौत

कुन्हा के पास पैर फिसलने से हादसा, मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों ने किया मृत घोषित

» प्रथम न्यूज । चंबा
12 मई (एएम नाथ)

चंबा जिले में शादी समारोह से लौट रहे एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान 55 वर्षीय चमन लाल निवासी गांव चेहली, डाकघर कोहलड़ी, तहसील एवं जिला चंबा के रूप में हुई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करने के बाद सोमवार को शव परिजनों को सौंप दिया। जानकारी के अनुसार चमन लाल 10 मई 2026 को एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए घर से गया हुआ था। समारोह संपन्न होने के बाद जब वह वापस अपने घर लौट रहा था, तभी रास्ते में कुन्हा नामक स्थान पर उसका अचानक पैर फिसल गया और वह नीचे गिर पड़ा। हादसे में उसे गंभीर चोटें आईं।

घटना के बाद स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से घायल अवस्था में उसे तुरंत मेडिकल कॉलेज चंबा पहुंचाया गया।

वहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस को दिए बयान में परिजनों ने बताया कि उन्हें किसी व्यक्ति पर किसी प्रकार का कोई शक नहीं है।

प्रारंभिक जांच में मामला हादसे का प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाने के बाद उसे अंतिम संस्कार के लिए परिजनों के हवाले कर दिया।

इस संबंध में विजय सकलानी ने बताया कि शादी समारोह से लौट रहे व्यक्ति की मौत का मामला सामने आया है। पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है तथा नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई गई है।

जिला चम्बा में 3,99,858 मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग

जिले में 7 मतदाता शतकवीर , भटियात विकास खंड की 109 वर्षीय आशा देवी सर्वाधिक उम्रद्राज मतदाता

» प्रथम न्यूज । चंबा
12 मई (एएम नाथ)

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी चम्बा मुकेश रेपसवाल ने बताया कि पंचायती राज संस्थाओं के आगामी चुनावों के दृष्टिगत जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के उपरांत जिले में कुल 3 लाख 99 हजार 858 मतदाता दर्ज किए गए हैं, जिनमें 1 लाख 96 हजार 932 महिला तथा 2 लाख 2 हजार 926 पुरुष मतदाता शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि विकास खंड भटियात में कुल 92,395 मतदाता हैं, जिनमें 45,955 महिला एवं 46,440 पुरुष मतदाता हैं, पांगी में कुल 15,201 मतदाताओं में 7,310 महिला तथा 7,891 पुरुष मतदाता हैं, विकास खंड भरमौर में कुल 35,228 मतदाताओं में 16,657 महिला एवं 18,571 पुरुष, चम्बा में कुल 61,541 मतदाताओं में 30,541 महिला एवं 31,000 पुरुष, मैहला में कुल 69,059 मतदाताओं में 33,943 महिला एवं 35,116 पुरुष, सलूणी में कुल 64,159 मतदाताओं में 31,970 महिला एवं 32,189 पुरुष तथा विकास खंड तीसा में कुल 62,275 मतदाताओं में 30,556 महिला एवं 31,719 पुरुष मतदाता पंजीकृत हैं।

उन्होंने कहा कि जिले में 18 वर्ष आयु पूर्ण कर पहली बार मतदाता बने युवाओं की संख्या 1741 है। इनमें भरमौर में 240, भटियात में 315, चम्बा में 214, मेहला में 314, पांगी में 56, सलूणी में 310 तथा तीसा में 292 नए मतदाता शामिल हैं।

उपायुक्त ने बताया कि जिले में 100 वर्ष से अधिक आयु के कुल 7 वरिष्ठ मतदाता भी लोकतंत्र के इस महापर्व में भाग लेने के पात्र हैं। इनमें भटियात विकास खंड की 109 वर्षीय आशा देवी सर्वाधिक उम्रद्राज मतदाता हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के लिए प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। उन्होंने सभी पात्र मतदाताओं से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाने का आग्रह भी किया।

प्रथम न्यूज
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
स्पोर्ट्स
Website : www.prathamnews.in

रबाडा-होल्डर ने किया हैदराबाद के तूफान का काम तमाम

82 रनों की जीत के साथ गुजरात बनी किंग

गुजरात टाइटंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आज का मैच गुजरात की गेंदबाजी और हैदराबाद की तूफानी बल्लेबाजी के बीच का मुकाबला था। इस मुकाबले में गुजरात के गेंदबाज हावी रहे जिन्होंने हैदराबाद के तूफानी बल्लेबाजों को नतमस्तक कर उन्हें 169 रनों के टारगेट को हासिल नहीं करने दिया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में हैदराबाद की टीम 14.5 ओवरों में 86 रनों पर ढेर हो गई।

गुजरात के लिए कगिसो रबाडा ने शानदार गेंदबाजी की और हैदराबाद के टॉप ऑर्डर को तहस नहस कर दिया। उन्होंने चार ओवरों में 28 रन देकर तीन विकेट लिए। उनके बाद जेसन होल्डर ने हैदराबाद के मध्य क्रम और निचले क्रम को झकझोर दिया। होल्डर ने चार ओवरों में 20 रन देकर तीन विकेट लिए।

इस जीत के साथ गुजरात के 12 मैचों में आठ जीत और चार हार के साथ 16 अंक हो गए हैं और उसने आरसीबी को हटा अंक तालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया है। हैदराबाद तीसरे नंबर पर आ गई है।

गुजरात के गेंदबाज शुरुआत से रहे हावी

हैदराबाद की शुरुआत बेहद खराब रही। पहला ओवर फेंकने आए मोहम्मद सिराज ने इस ओवर में एक भी रन नहीं दिया और चौथी गेंद पर ट्रेविस हेड को आउट कर दिया। अभिषेक ने दूसरा ओवर लेकर आए रबाडा की पहली ही गेंद पर छक्का मारा, लेकिन इसी ओवर की चौथी गेंद पर वह बोल्ड हो गए।

रबाडा ने चौथे ओवर की पहली गेंद पर ईशान किशन को विकेटकीपर बटलर के हाथों कैच करा हैदराबाद का तीसरा विकेट गिरा दिया। यहां हैदराबाद का स्कोर तीन विकेट के नुकसान पर 23 रन था। रबाडा यहीं नहीं रुके उन्होंने छठे ओवर की पांचवीं गेंद पर स्मरण को आउट कर हैदराबाद को चौथा झटका दे दिया। हैदराबाद ने पावरप्ले में चार विकेट खोते हुए 34 रन बनाए।

होल्डर ने किया खेल

नौवें ओवर की चौथी गेंद पर गुजरात के इम्पैक्ट प्लेयर प्रसिद्ध कृष्णा ने सलिल अरोड़ा को पवेलियन भेज हैदराबाद को पांचवां झटका दे दिया। अगले ओवर में जेसन होल्डर ने पहली ही गेंद पर हेनरिक क्लासेन को आउट कर हैदराबाद की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया। सलिल ने 13 गेंदों पर 16 रन बनाए तो क्लासेन ने 16 गेंदों पर 14 रनों की पारी खेली। इसी ओवर की चौथी गेंद पर होल्डर ने नीतीश रेड्डी को भी पवेलियन भेज हैदराबाद को सातवां झटका दे दिया। रेड्डी ने चार गेंदों पर दो रन बनाए।

होल्डर ने फिर शिवांग कुमार को आउट कर अपना तीसरा विकेट हासिल किया। वह चार रन बना सके। पैट कमिंस ने कुछ हाथ दिखाने की कोशिश की, लेकिन प्रसिद्ध कृष्णा ने उनकी पारी का अंत कर दिया। राशिद खान ने प्रफुल्ल हिंगे को आउट कर हैदराबाद की पारी समेट दी। कमिंस ने नौ गेंदों पर दो छक्के और एक चौके की मदद से 19 रन बनाए। प्रफुल्ल ने तीन रन बनाए।

सुदर्शन और सुंदर का संघर्ष

बल्लेबाजी के लिए मुश्किल परिस्थितियों में साई सुदर्शन और वॉशिंगटन सुंदर की संयम भरी अर्धशतकीय पारियों की बदौलत गुजरात टाइटंस ने पांच विकेट पर 168 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। दोहरे बाउंस वाली पिच पर जहां बल्लेबाजों को रन बनाने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी, वहीं सुदर्शन ने धैर्य और समझदारी से बल्लेबाजी करते हुए 44 गेंदों पर 61 रन बनाए, जबकि सुंदर ने 33 गेंदों पर 50 रन की तेजतर्रार पारी खेलकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

सनराइजर्स के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी और उसके गेंदबाजों ने शुरुआत से ही गुजरात के बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। खासतौर पर युवा तेज गेंदबाज प्रफुल्ल हिंगे ने शानदार गेंदबाजी करते हुए पावरप्ले में दो बड़े विकेट झटके। उन्होंने तीन ओवर में केवल 17 रन देकर दो विकेट लिए। कमिंस भी काफी किफायती रहे और चार ओवर में सिर्फ 20 रन देकर एक विकेट हासिल किया।

गुजरात की धीमी शुरुआत

गुजरात की शुरुआत बेहद धीमी रही। टीम ने शुरुआती छह ओवर में केवल 34 रन बनाए और दो अहम विकेट गंवा दिए, जो इस सीजन में पावरप्ले के दौरान उसका सबसे कम स्कोर रहा। कप्तान शुभमन गिल (5) शुरुआत में जीवनदान मिलने के बावजूद बड़ी पारी नहीं खेल सके। नीतीश कुमार रेड्डी उनका वापसी कैच नहीं पकड़ पाए, लेकिन अगले ही ओवर में गिल मिड ऑन पर हेनरिक क्लासेन को आसान कैच दे बैठे। इसके बाद जोस बटलर (7) भी ज्यादा देर टिक नहीं सके। विकेट के पार जाकर स्कूप खेलने की कोशिश में उनका बल्ले का किनारा लगा और ईशान किशन ने विकेट के पीछे आसान कैच लपक लिया।

पाकिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ ऐतिहासिक हार

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
12 मई (ब्यूरो)

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। टेस्ट क्रिकेट में लगातार संघर्ष कर रही पाकिस्तान टीम को मंगलवार को बांग्लादेश के खिलाफ एक और बड़ा झटका लगा, जब उसे 104 रनों से करारी हार का सामना करना पड़ा। यह पाकिस्तान की बांग्लादेश में टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली हार है, जिसने टीम के प्रदर्शन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। शान मसूद की कप्तानी में उतरी पाकिस्तान टीम इस मुकाबले में पूरे मैच के दौरान दबाव में नजर आई। बांग्लादेश ने दोनों पारियों में बेहतर रणनीति और अनुशासित गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए मैच पर अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखी।

मैच के दौरान पाकिस्तान की बल्लेबाजी पूरी तरह लड़खड़ा गई और टीम महत्वपूर्ण मौकों पर रन बनाने में असफल रही। दूसरी ओर बांग्लादेश के गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा, जिससे पाकिस्तानी बल्लेबाज बड़ी साझेदारियां नहीं बना सके। बांग्लादेश ने पहले अपनी मजबूत बल्लेबाजी के दम पर मैच में बढ़त हासिल की और फिर गेंदबाजी में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को लक्ष्य हासिल करने से रोक दिया। पाकिस्तान की दूसरी पारी में भी बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए और पूरी टीम 104 रनों के अंतर से मैच हार गई।

यह हार पाकिस्तान क्रिकेट के लिए इसलिए भी बड़ा झटका मानी जा रही है क्योंकि टीम लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट में निरंतर खराब प्रदर्शन कर रही है। विदेशी सरजमीं पर जीत दर्ज करना पाकिस्तान के लिए लगातार चुनौती बना हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि टीम में स्थिरता की कमी, बल्लेबाजी क्रम की असफलता और रणनीति में कमजोरियों के कारण पाकिस्तान को लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। बांग्लादेश की यह जीत ऐतिहासिक इसलिए भी है क्योंकि उसने अपने घरेलू मैदान पर पाकिस्तान जैसी मजबूत मानी जाने वाली टीम को पहली बार टेस्ट मैच में हराया है। इस जीत से बांग्लादेश क्रिकेट टीम का आत्मविश्वास और भी बढ़ा है।

कुल मिलाकर, यह मैच पाकिस्तान क्रिकेट के लिए एक और चेतावनी साबित हुआ है कि अगर टीम ने अपने प्रदर्शन और रणनीति में सुधार नहीं किया, तो टेस्ट क्रिकेट में उसकी मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

RCB के क्रुणाल पांड्या ने विराट कोहली का किया समर्थन

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
12 मई (ब्यूरो)

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (RCB) के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का समर्थन किया है, जो हाल ही में दो लगातार मैचों में बिना रन बनाए (गोल्डन डक) आउट हुए हैं। इसके बावजूद पांड्या ने कोहली पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा कि उनकी फॉर्म में आई अस्थायी गिरावट का टीम पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ा है। RCB ने अपने चिर-प्रतिद्वंदी मुंबई इंडियंस (MI) के खिलाफ हाल ही में जीत दर्ज की, लेकिन इस मैच में भी विराट कोहली जल्दी आउट हो गए।

इस सीजन में यह दूसरी बार था जब वह गोल्डन डक पर पवेलियन लौटे। हालांकि, पूरे सीजन में उनके आंकड़े अब भी मजबूत हैं, जहां उन्होंने 11 पारियों में 42.11 की औसत से 379 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 163 से अधिक रहा है और उन्होंने तीन अर्धशतक भी लगाए हैं। इसके बावजूद पिछले कुछ मैचों में उनके लगातार जल्दी आउट होने को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

खासकर उनके आक्रामक खेलने के प्रयासों के दौरान विकेट गंवाने पर सवाल उठे हैं। पिछले तीन पारियों में वह केवल 28 रन ही बना पाए हैं, जिससे उनकी हालिया फॉर्म पर बहस शुरू हो गई है। मैच के बाद इस विषय पर बात करते हुए क्रुणाल पांड्या ने कहा कि उन्हें विराट की वापसी को लेकर कोई संदेह नहीं है। उन्होंने कहा, दो मैचों में फेल होने के बाद मैं और भी उत्साहित हूं, क्योंकि मुझे पता है कि वह जल्द ही मजबूत वापसी करेंगे।

पांड्या ने आगे कहा कि विराट कोहली एक चैंपियन खिलाड़ी हैं और उनका रिकॉर्ड इस बात का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि भले ही वह कुछ मैचों में असफल रहे हों, लेकिन उनकी क्षमता और अनुभव पर कोई सवाल नहीं उठाया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा, हम उनके बारे में कभी चिंता नहीं करेंगे। वह एक अलग स्तर के खिलाड़ी हैं और उनमें बहुत भूख है। मुझे पूरा विश्वास है कि वह आगे चलकर फिर से विराट कोहली वाली पारियां खेलेंगे। टीम के भीतर भी कोहली को लेकर सकारात्मक माहौल बना हुआ है और खिलाड़ियों का मानना है कि एक-दो खराब पारियां उनके प्रदर्शन को परिभाषित नहीं कर सकतीं। RCB प्रबंधन और खिलाड़ी उनके अनुभव और मैच विनिंग क्षमता पर भरोसा बनाए हुए हैं। क्रुणाल पांड्या के इस बयान ने साफ कर दिया है कि टीम में विराट कोहली को लेकर पूरा समर्थन और विश्वास कायम है। फ्रेंचाइजी का मानना है कि वह जल्द ही अपनी लय में लौटकर टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान देंगे। कुल मिलाकर, लगातार दो मैचों में असफल रहने के बावजूद विराट कोहली पर टीम का भरोसा बरकरार है और RCB को उम्मीद है कि वह आने वाले मुकाबलों में एक बार फिर अपनी पुरानी फॉर्म में नजर आएंगे।

रायपुर में कल भी IPL मैच, KKR के सामने RCB की मुश्किल चुनौती

» प्रथम न्यूज । रायपुर
12 मई (ब्यूरो)

आईपीएल 2026 के 57वें मुकाबले में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की भिड़ंत कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा।

प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए केकेआर को इस मुकाबले में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। आईपीएल 2026 में खराब शुरुआत के बाद केकेआर की गाड़ी जीत की पटरी पर लौट चुकी है। टीम ने अपने पिछले चार मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज की है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए आखिरी मुकाबले में फिन एलन ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 47 गेंदों में 100 रनों की दमदार पारी खेली थी। वहीं, कैमरून ग्रीन ने भी बल्ले से अहम योगदान दिया था।

वहीं, गेंदबाजी में कार्तिक त्यागी, वरुण चक्रवर्ती और अनुकूल रॉय बेहतरीन लय में दिखाई दिए हैं।

सुनील नरेन इस सीजन काफी किफायती रहे हैं और उन्होंने अहम मुकाबले पर टीम को विकेट भी दिलाए हैं। केकेआर ने अब तक 10 मैच खेले हैं, जिसमें से टीम को सिर्फ 4 में ही जीत मिली है। प्लेऑफ में पहुंचने के लिए केकेआर को अपने बचे हुए सभी मुकाबलों में दमदार प्रदर्शन करना होगा। दूसरी तरफ, अंक तालिका में पहले स्थान पर मौजूद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अपने शानदार प्रदर्शन को केकेआर के खिलाफ भी जारी रखना चाहेगी।

आरसीबी के अभी 11 मुकाबलों में 14 प्वाइंट हैं। क्रुणाल पांड्या ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आखिरी मुकाबले में 73 रनों की दमदार पारी खेली थी। वहीं, देवदत्त पडिक्कल का प्रदर्शन भी इस सीजन बल्ले से शानदार रहा है। हालांकि, विराट कोहली पिछले लगातार दो मुकाबलों में अपना खाता खोलने में नाकाम रहे हैं।

गेंदबाजी में भुवनेश्वर कुमार का जादू इस सीजन खूब चल रहा है। वह 11 मुकाबलों में 21 विकेट निकाल चुके हैं, जबकि जोश हेजलवुड ने उनका भरपूर साथ निभाया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का स्क्वॉड- रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, टिम डेविड, जैकब बेथेल, रोमारियो शेफर्ड, जोश हेजलवुड, नुवान तुषारा, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा, क्रुणाल पंड्या, रसिख डार, भुवनेश्वर कुमार, जॉर्डन कॉक्स, सुयश शर्मा, वेंकटेश अय्यर, स्वप्निल सिंह, जैकब डफी, कनिष्क चौहान, अभिनंदन सिंह, मंगेश यादव, फिल साल्ट, सात्विक देसवाल, विक्की ओस्तवाल और विहान मल्होत्रा। कोलकाता नाइट राइडर्स का स्क्वॉड- अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, राहुल त्रिपाठी, फिन एलन, तेजस्वी सिंह, टिम सीफर्ट, सुनील नरेन, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, कैमरून ग्रीन, सार्थक रंजन, दक्ष कामरा, रचिन रवींद्र, हर्षित राणा, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, मथीशा पथिराना, कार्तिक त्यागी, आकाश दीप, वरुण चक्रवर्ती और प्रशांत सोलंकी।

ईमानदारी से कहूं तो, खास महसूस नहीं हो रहा...टीम इंडिया में वापसी की अटकलों पर बोले Bhuvneshwar Kumar

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
12 मई (ब्यूरो)

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 10 मई को शानदार गेंदबाजी कर खूब सुर्खियां बटोरी। एमआई के खिलाफ भुवी ने अपने चार ओवर के स्पेल में महज 23 रन देकर 4 विकेट लिए।

इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने आईपीएल 2026 में अपने 21 विकेट पूरे किए और वह आईपीएल इतिहास में चौथी बार किसी सीजन में 20 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने। उनके दमदार प्रदर्शन के बाद उनकी भारतीय टीम में वापसी को लेकर खूब चर्चा होने लगी हैं। अब टीम इंडिया में वापसी को लेकर भुवी ने बयान दिया है। भुवी ने टीम इंडिया में वापसी की अटकलों पर क्या कहा?

दरअसल, भुवनेश्वर कुमार (Bhuvneshwar Kumar) ने आईपीएल 2026 में अब तक 11 मैचों में 21 विकेट लिए हैं और उनकी टीम आरसीबी फिलहाल अंक तालिका में टॉप पर है और उसे प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने के लिए अपने बाकी तीन मैचों में से केवल एक जीत की जरूरत है।

इस बीच भुवी ने उनकी नेशनल टीम में वापसी की अटकलों पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि उनका फिलहाल ध्यान कमबैक या लंबे समय के लक्ष्यों पर नहीं हैं। आरसीबी के तेज गेंदबाज ने कहा, मैं इंडिया कमबैक के बारे में नहीं सोच रहा हूं। कई साल हो गए जब मैंने लंबे समय के लक्ष्य बनाना छोड़ दिया था, क्योंकि जब भी मैंने ऐसा किया, वो मेरे लिए काम नहीं आया। मैं खुश हूं कि मैंने 200 मैच खेले हैं और पावरप्ले व डेथ ओवर्स में इतने सारे विकेट लिए हैं। मुझे लगता है कि यह सब पिछले कुछ सालों में की गई मेरी मेहनत का फल है। अच्छे साल भी रहे और बुरे भी। ईमानदारी से कहूं तो, इस समय मैं कुछ खास महसूस नहीं कर रहा हूं। अगर बात करें एमआई के खिलाफ खेले गए मैच की तो भुवनेश्वर कुमार की अगुवाई में गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन और क्रुणाल पांड्या की तूफानी बैटिंग के दम पर आरसीबी ने एमआई को दो विकेट से हराया।

रायपुर में खेले गए मैच में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी एमआई ने तिलक वर्मा की अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में 7 विकेट पर 166 रन बनाए। जवाब में आरसीबी ने 8 विकेट खोकर 167 रन बनाए और मैच अपने नाम किया। फिलहाल आरसीबी की टीम अंक तालिका में नंबर-1 पर 14 अंक और +1.103 के नेट रन रेट के साथ मौजूद है।

संजू सैमसन का बड़ा बयान, बोले-टीम में जगह के लिए हर खिलाड़ी खुद को साबित करने में जुटा

» प्रथम न्यूज । नई दिल्ली
12 मई (ब्यूरो)

नई दिल्ली। भारतीय टीम में इस समय ओपनिंग स्लॉट और विकेटकीपरों को लेकर जमकर कॉम्पटीशन चल रहा है। टी20 टीम में ही देखा जाए तो इस समय दो विकेटकीपर खेल रहे हैं। ये दोनों हैं संजू सैमसन और ईशान किशन। दोनों भारत की वर्ल्ड कप जीत के हीरो रहे। ईशान के साथ अपने कॉम्पटीशन को लेकर संजू ने अब बड़ी बात कही है। दरअसल, संजू ने एक बात को स्वीकार किया है और कहा कि वह इस बात को कैमरे पर भी बोल सकते हैं। उन्होंने ये बात ईशान किशन के बुरे दौर को लेकर कही है जब वह टीम इंडिया से बाहर चल रहे थे।

ईशान से डर गए थे संजू

संजू ने कहा है कि ईशान ने घरेलू क्रिकेट में जो प्रदर्शन किया था उसे देखकर उन्हें ऐसा लग रहा था कि वह संजू की जगह खाने के लिए ही आ रहे हैं। संजू ने अभिनव मुकुंद के साथ सीएसके के पॉडकास्ट में कहा, ईमानदारी से कहूं तो ईशान टीम में अचानक आ गए। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार खेल दिखाया और झारखंड के लिए चैंपियनशिप जीती। उनकी शानदार कहानी है। उन्होंने कहा, हम सिर्फ अपनी तरफ ही देखते हैं, सही है? मैंने दिन-रात काफी मेहनत की, लेकिन हाल के दौर में मुझे लगता है कि ईशान ने भी यही काम किया है। बीते दो साल में उनके साथ जो हुआ, वह टीम से बाहर चले गए थे। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में काफी मेहनत की है और टीम में वापसी की है। वह लगातार रन बना रहे थे और मैं ये कैमरे पर बोल सकता हूं कि मुझे लग रहा था कि वह मेरी जगह के लिए आ रहे हैं।

प्रभावित हुए थे सैमसन

सैमसन ने कहा कि ईशान के प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें लग रहा था कि वह टीम में आने के हकदार हैं। सैमसन ने कहा, तिरुवनंतपुरम में उन्होंने जो शतक जमाया था उसके बाद मैंने अपने आप से कहा था कि संजू उन्हें टीम में जगह दे दो, ये लड़का मुझसे ज्यादा टीम में जगह का हकदार है।

हैदराबाद के खिलाफ गुलाबी जर्सी पहनकर क्यों उतरी गुजरात की टीम? दिल जीतने वाली है वजह

गुजरात टाइटंस की टीम आज अपने घर में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना कर रही है। ये मैच दोनों टीमों के नंबर-1 की कुर्सी पर पहुंचने का मौका है। ऐसे में दोनों ही टीमें पूरी तैयारी से उतरी है, लेकिन गुजरात के कप्तान शुभमन गिल जब टॉस के लिए आए तो सभी कुछ देर के लिए हैरान रह गए।

यूं तो गुजरात की जर्सी गहरे नीले रंग की है, लेकिन आज गिल हल्के गुलाबी रंग की जर्सी में टॉस करने उतरे। हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

गुजरात ने क्यों पहनी गुलाबी जर्सी

गिल को देखकर हर किसी के मन में ये सवाल है कि गुजरात की टीम ने आज हल्के गुलाबी रंग की जर्सी पहनना क्यों चुना? इसके पीछे जो वजह है वो दिल जीतने वाली है। दरअसल, गुजरात की टीम हर साल एक मैच इसी तरह की जर्सी में खेलती है। इसके पीछे उसका मकसद कैंसर के खिलाफ लड़ाई को अपना समर्थन जताना है। इसी कारण गुजरात आज गुलाबी जर्सी पहनकर उतरी है।

गुजरात की तरह राजस्थान रॉयल्स और आरसीबी भी हर साल एक मैच अलग रंग की जर्सी पहनकर खेलती हैं। आरसीबी एक मैच हरे रंग की जर्सी में खेलती है जिसके पीछे उसका मकसद पर्यावरण को बचाने का संदेश देना है। वहीं राजस्थान गहरे गुलाबी रंग की जर्सी में एक मैच खेलती है। इसके पीछे उसकी कोशिश महिला सशक्तिकरण का संदेश देने की होती है।

एक नज़र

रिक्शा में विस्फोट, दो पुलिसकर्मियों समेत 7 लोगों की मौत

पेशावर (एजेंसी) : पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा स्थित लक्की मरवत की सराय नौरंग तहसील में मंगलवार को एक जबरदस्त धमाका हुआ। इस धमाके में दो पुलिसकर्मियों समेत 7 लोगों की मौत हो गई है। स्थानीय पुलिस के हवाले से मीडिया ने ये जानकारी दी। जाने माने दैनिक डॉन के अनुसार, जिला पुलिस अधिकारी के प्रवक्ता कुदरतुल्लाह खान ने एक बयान में कहा कि इस घटना में 23 अन्य लोग घायल भी हुए हैं।

घटना की प्रकृति पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा, अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विस्फोटक से लदा लोडर रिक्शा खड़ा था या किसी आत्मघाती हमलावर ने खुद को विस्फोट से उड़ा लिया।

फिलहाल बम निरोधक दस्ते के विशेषज्ञ विस्फोट की प्रकृति का पता लगाने में जुटे हैं।उन्होंने शहीद पुलिसकर्मियों की पहचान आदिल जान और राहतुल्लाह के रूप में की।आगे कहा कि शवों को तहसील मुख्यालय अस्पताल भेज दिया गया है, जबकि कुछ घायलों को बन्नू के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। घायलों में एक किशोरी और एक महिला भी शामिल हैं।

प्रवक्ता ने बताया, ट्रैफिक पुलिस वॉर्डन हमेशा की तरह व्यस्त चौक पर अपनी ड्यूटी निभा रहे थे।

वो बन्नू और डेरा इस्माइल खान के बीच यातायात को नियंत्रित कर रहे थे। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में विस्फोट के कारण कई दुकानों और तीन पहिया वाहनों के परखच्चे उड़ते दिखे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि नौरंग सर्कल के डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचा। टीम ने इलाके को घेर लिया और सबूत जुटाए जा रहे हैं। इससे पहले, रेस्क्यू 1122 के प्रवक्ता शाहदाब खान ने विस्फोट की पुष्टि करते हुए कहा था कि एम्बुलेंस और बचाव दल को घटनास्थल पर भेज दिया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे बचाव एजेंसियों के साथ सहयोग करें और विस्फोट स्थल से दूर रहें।

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहैल अफरीदी ने घटना का संज्ञान लेते हुए पुलिस महानिरीक्षक (आईजपी) से रिपोर्ट तलब की। उन्होंने जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त किया और मृतक परिजनों को प्रांतीय सरकार की ओर से पूर्ण सहायता देने का वादा किया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि घायलों को समुचित मेडिकल केयर दी जाए। यह घटना उस आत्मघाती हमले के कुछ दिनों बाद हुई है, जिसमें शनिवार रात बन्नू के फतेह खेल पुलिस पोस्ट पर हुए हमले में करीब 15 पुलिसकर्मी मारे गए थे। सोमवार को अफगान प्रभारी राजदूत को तलब कर बन्नू हमले को लेकर कड़ा विरोध पत्र सौंपा गया था। विदेश कार्यालय के अनुसार, जांच में पता चला कि इस हमले की साजिश अफगानिस्तान में रह रहे आतंकवादियों ने रची थी।

निर्दोष को जेल भेजने का परिणाम, कानपुर में पति को छुड़ाने के लिए 50 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ी महिला

कानपुर (सुनील बाजपेई)– जब भी किसी के खिलाफ पुलिस में कोई रिपोर्ट दर्ज कराई जाती है ,तो पुलिस निष्पक्ष विवेचना नहीं करती। वह पहले आरोपी से सौदेबाजी करती है और जब बात नहीं बनती तो निर्दोष होने के बाद भी दोषी साबित करते हुए संबंधित व्यक्ति को जेल भेज देती है। इसी आशय की घटना के परिणाम ने एक महिला को पुलिस कमिश्नर ऑफिस के पास बने 50 फीट ऊंचे टावर पर चढ़वा दिया। जानकारी के मुताबिक उसने ऐसा इसलिए किया ,क्योंकि उसके कथित निर्दोष पति को पास्को एक्ट के तहत जेल भेजा जा चुका है, जिसे छुड़ाने की मांग को लेकर ही महिला ने यह कदम उठाया। एडिशनल पुलिस कमिश्नर समेत कई अधिकारी महिला को टावर से नीचे उतर आने के लिए मनाते रहे लेकिन वह तैयार नहीं हुई। उसका कहना था कि जब तक उसके पति को जेल से रिहा नहीं किया जाएगा ,तब तक वह टावर से नीचे नहीं उतरेगी। इस स्थिति से समाचार लिखे जाने तक पुलिस में भीहड़कंप देखा गया।

यह महिला टावर पर चढ़ते ही चिल्लाने लगी कि मेरे पति को छोड़ दो नहीं तो यहां से कूदकर जान दे दूंगी। टॉवर पर महिला को देखकर आसपास काफी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई।

मौके पर पहुंचे स्टाफ ऑफिसर अमरनाथ यादव ने महिला को समझाने की कोशिश की ,जिस पर महिला ने कहा कि जब तक मेरे पति जेल से नही छूटेंगे तब तक मैं टॉवर से नहीं उतरूंगी।

करीब आधे घंटे बाद अपर पुलिस आयुक्त विपिन ताडा भी पहुंचे उन्होंने भी समझाने की कोशिश की। बोले– नीचे उतर जाओ लेकिन समाचार लिखे जाने तक अपनी बात पर पड़ी रही। यद्यपि पुलिस उत्पीड़न के खिलाफ इस तरह की यह घटना पहले नहीं है इसके पहले भी इस तरह की घटनाएं महानगर में हो चुकी हैं। अधिकांश पीडतों का यही आरोप है कि अगर किसी के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो जाती हैतो पुलिस निर्दोष को भीअपना शिकार बनती है और जेल जाने से बचने के नाम पर पैसे की मांग करती है और जब वह मांग पूरी नहीं हो पाती तो वह कथित निर्दोष को भी दोषी साबित करते हुए जेल भेज देती है ,जबकि इसी बात का फायदा उठाकर बहुत से लोग पैसे के बल पर दोषी होने के बाद भी बच जाते हैं। कानपुर में पुलिस कमिश्नर ऑफिस के टावर पर चढ़ने वाली महिला रानी का भी मामला कुछ इसी तरह का होने का दावा किया गया है जिसमें उसके पति महेश को जेल भेजा गया था।

हरियाणा रोडवेज में आएंगी 1000 नई बसें

500 इलेक्ट्रिक बसें भी होंगी शामिल : अनिल विज

चंडीगढ़ (ब्यूरो)– परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि हरियाणा ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट जल्द ही 1000 नई बसों की खरीद करेगा। इनमें 500 इलेक्ट्रिक बसें और 500 सामान्य बसें शामिल होंगी।

उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रदेश की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, सुरक्षित, पर्यावरण–अनुकूल और यात्री सुविधाओं से युक्त बनाना है। अनिल विज मंगलवार को चंडीगढ़ में मीडिया से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने बताया कि परिवहन विभाग की सभी बसों में अत्याधुनिक ट्रैकिंग सिस्टम लगाया जाएगा, जिससे बसों की रियल टाइम मॉनिटरिंग संभव हो सकेगी। इसके अलावा एयरपोर्ट की तर्ज पर बस अड्डों पर डिजिटल डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएंगे, ताकि यात्रियों को बसों के आगमन और प्रस्थान की सटीक जानकारी समय पर मिल सके।

परिवहन मंत्री ने कहा कि यात्रियों की सुविधा के लिए एक आधुनिक मोबाइल ऐप भी विकसित किया जा रहा है। इस ऐप के जरिए यात्री बसों की लाइव लोकेशन, समय–सारणी और रूट संबंधी जानकारी अपने मोबाइल पर प्राप्त कर सकेंगे और अपनी यात्रा की बेहतर योजना बना पाएंगे।

अनिल विज ने कहा कि नई तकनीक के माध्यम से बसों के निर्धारित रूटों पर भी निगरानी रखी जाएगी। यदि कोई चालक बस को गलत रूट पर ले जाता है या निर्धारित बस अड्डे तक नहीं पहुंचता, तो सिस्टम में तुरंत अलर्ट जारी होगा और संबंधित चालक से स्वत: स्पष्टीकरण मांगा जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस पहल से परिवहन व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी।

26 घंटे और तीन कत्ल... एनकाउंटर में ढेर हुआ अमृतसर का रहने वाला साइको सीरियल किलर; फौज से हुआ था रिटायर

» प्रथम न्यूज । अमृतसर
12 मई (ब्यूरो)

उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में 26 घंटे तक दहशत बने साइको किलर और रिटायर्ड फौजी गुरप्रीत सिंह को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया। आरोपी ने 24 से 26 घंटे के भीतर तीन सनसनीखेज हत्याओं को अंजाम देकर इलाके में भय का माहौल पैदा कर दिया था।

पुलिस के अनुसार, गुरप्रीत सिंह पंजाब के अमृतसर का रहने वाला था और उसने वर्ष 2021 में सेना की नौकरी छोड़ दी थी। इसके बाद उसने सामान्य जीवन जीने की कोशिश की, लेकिन शराब की लत और मानसिक अस्थिरता के कारण वह अपराध की ओर बढ़ता चला गया। कुछ समय तक उसने बिहार के आरा में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी भी की, लेकिन नौकरी छूटने के बाद उसकी मानसिक स्थिति और बिगड़ गई।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी ने किसी निजी दुश्मनी के बजाय लोगों को रैंडम तरीके से निशाना बनाया। पहली वारदात उसने 10 मई को अलीनगर थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव के पास ताड़ीघाट पैसेंजर ट्रेन में की, जहां जमानिया निवासी मंगरू की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

इसके बाद 11 मई की रात कोलकाता से जम्मूतवी जा रही एक्सप्रेस ट्रेन में उसने एक अन्य यात्री को गोली मार दी।

तीसरी और सबसे सनसनीखेज घटना सोमवार सुबह हुई, जब आरोपी ने अलीनगर स्थित जीवक अस्पताल में भर्ती एक महिला के सिर में गोली मारकर हत्या कर दी।

अस्पताल में हुई वारदात के बाद स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज और लोकेशन हिस्ट्री के आधार पर पुलिस ने तीनों हत्याओं में उसकी संलिप्तता की पुष्टि की।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसओजी, जीआरपी, अलीनगर पुलिस और सकलडीहा पुलिस की संयुक्त टीम आरोपी को घटनास्थलों पर ले जाकर सीन रीक्रिएशन कर रही थी। इसी दौरान आरोपी ने कथित तौर पर एक पुलिसकर्मी की पिस्टल छीन ली और भागने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, उसने टीम पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में हुई कार्रवाई में उसके सीने में गोली लगी।

गंभीर रूप से घायल गुरप्रीत सिंह को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मुठभेड़ में जीआरपी के एक हेड कांस्टेबल समेत दो पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से रिवॉल्वर, कारतूस और कटी हुई डीबीबीएल गन बरामद करने का दावा किया है। पुलिस अधीक्षक ने मुठभेड़ और आरोपी की मौत की आधिकारिक पुष्टि की है।

श्रीनगर में दो संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार हथियार और लश्कर के पोस्टर बरामद

» प्रथम न्यूज । श्रीनगर
12 मई (ब्यूरो)

जम्मू–कश्मीर पुलिस ने श्रीनगर के बाबादेम इलाके में नाकाबंदी के दौरान दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया। उनके पास से हथियार, गोला–बारूद और लश्कर–ए–तैयबा के पोस्टर बरामद किए गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि यूएपीए और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है और आगे की जांच जारी है।

जम्मू–कश्मीर की क्राइम ब्रांच की कश्मीर स्थित आर्थिक अपराध शाखा ने आरोपी अब्दुल मजीद मीर के खिलाफ विभिन्न विभागों और वित्तीय संस्थानों में सरकारी नौकरी दिलाने के बहाने कई लोगों को ठगने के आरोप में तीन अलग–अलग मामले दर्ज किए हैं। जांच एजेंसी की ओर से की गई प्रारंभिक जांच में पता चला है कि आरोपी ने पीड़ितों को सरकारी नौकरी दिलाने का झूठा आश्वासन देकर उनसे बड़ी रकम वसूल की थी।

आरोपी ने पीड़ितों को धोखा देने और उनका विश्वास जीतने के लिए सरकारी एजेंसियों और जम्मू–कश्मीर बैंक के फर्जी नियुक्ति पत्र तैयार किए और उन्हें बांटे। आरोपी की ओर से किए गए कृत्य प्रथम दृष्टया रणबीर दंड संहिता (आरपीसी), पूर्ववर्ती भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत दंडनीय अपराध हैं।

जम्मू–कश्मीर पुलिस ने बताया कि आरोपी अब्दुल मजीद मीर के खिलाफ क्राइम ब्रांच पहले भी दो मामले दर्ज कर चुकी है। पुलिस ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि वे आर्थिक धोखाधड़ी करने वालों से सावधान रहें और ऐसी किसी भी घटना की सूचना सीधे एसएसपी ईओडब्ल्यू कश्मीर (क्राइम ब्रांच जम्मू–कश्मीर) को दें।

11 अप्रैल को शुरू हुए 100 दिवसीय नशा मुक्त जम्मू–कश्मीर अभियान के तहत सोपोर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की।

जिले में मादक पदार्थों की तस्करी और दुरुपयोग को रोकने के लिए पुलिस लगातार नशा–विरोधी अभियान, जागरूकता कार्यक्रम और प्रवर्तन अभियान चला रही है। सोपोर पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत 22 एफआईआर दर्ज की और मादक पदार्थों की तस्करी और संबंधित गतिविधियों में शामिल 23 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया।

AAP मंत्री संजीव अरोड़ा ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा, गिरफ्तारी और रिमांड को दी चुनौती; जल्द होगी सुनवाई

» प्रथम न्यूज । चंडीगढ़
12 मई (ब्यूरो)

पंजाब के मंत्री संजीव अरोड़ा ने अपनी गिरफ्तारी और रिमांड को चुनौती दी है। उन्होंने पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। अब उम्मीद है कि इस मामले में आज सुनवाई होगी। बता दें कुछ दिन पहले श्वष्ठ ने संजीव अरोड़ा के चंडीगढ़ स्थित सरकारी आवास पर दबिश दी थी, जिसके बाद उन्हें शाम को गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें उसी दिन देर रात गुरुग्राम की एक विशेष PMLA (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) अदालत में पेश किया गया। कोर्ट ने ED की दलीलें सुनने के बाद अरोड़ा को 7 दिनों की रिमांड पर भेज दिया, जो 16 मई तक प्रभावी रहेगी। यह पूरा मामला 100 करोड़ से अधिक के फर्जी जीएसटी बिल और मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित है।

CM का बड़ा फैसला, धार्मिक स्थलों, स्कूलों और बस स्टैंडों के पास शराब की दुकानें होंगी बंद

» प्रथम न्यूज । चेन्नई
12 मई (ब्यूरो)

तमिलनाडु में जनहित को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री एस. जोसेफ विजय ने बड़ा फैसला लिया है। राज्य सरकार ने अगले दो हफ्तों के भीतर 717 तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन (टीएएसएमएसी) शराब दुकानों को बंद करने का आदेश जारी किया है। ये सभी दुकानें धार्मिक स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों और बस स्टैंडों के 500 मीटर के दायरे में संचालित हो रही थीं।

तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉरपोरेशन (टीएएसएमएसी) के तहत फिलहाल राज्य में कुल 4,765 शराब की खुदरा दुकानें संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने अधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे ऐसे शराब दुकानों की पहचान करें, जो मंदिर, मस्जिद, चर्च, स्कूल, कॉलेज और बस स्टैंड्स के बेहद करीब स्थित हैं।

सरकार द्वारा कराए गए सर्वे में सामने आया कि कुल 717 टीएएसएमएसी दुकानें निर्धारित 500 मीटर की सीमा के भीतर चल रही हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री ने जनहित और सामाजिक प्रभावों को ध्यान में रखते हुए इन दुकानों को बंद करने का निर्णय लिया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, बंद होने वाली दुकानों में 276 शराब दुकानें धार्मिक स्थलों के पास स्थित हैं। वहीं 186 दुकानें शैक्षणिक संस्थानों के करीब और 255 दुकानें बस स्टैंड्स के आसपास संचालित हो रही थीं।

मुख्यमंत्री के इस फैसले को राज्य में सामाजिक सुधार और सार्वजनिक व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। खासतौर पर स्कूल–कॉलेजों और धार्मिक स्थलों के आसपास शराब दुकानों को लेकर लंबे समय से लोगों की शिकायतें और विरोध सामने आते रहे हैं।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि अगले दो सप्ताह के भीतर सभी चिन्हित दुकानों को चरणबद्ध तरीके से बंद कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के इस फैसले को जनहित और सामाजिक जिम्मेदारी से जुड़ा अहम निर्णय माना जा रहा है।

अगर अब हमला हुआ तो करारा जवाब मिलेगा ट्रंप ने शांति प्रस्ताव ठुकराया तो भड़का ईरान

» प्रथम न्यूज । वॉशिंगटन
12 मई (एजेंसी)

ईरान ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि उसके सशस्त्र बल किसी भी हमलावर को जवाब देने और सबक सिखाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान के हालिया युद्धविराम प्रस्ताव को खारिज कर दिया।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने मध्य–पूर्व में अस्थिरता की आशंका को और बढ़ा दिया है। इसका असर वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर भी देखने को मिल रहा है, जो पहले से ही होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधाओं के कारण दबाव में हैं।

वॉशिंगटन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि युद्धविराम गंभीर जीवन–समर्थन की स्थिति में है। उन्होंने ईरान के प्रस्ताव को पूरी तरह अस्वीकार्य बताते हुए कहा, यह युद्धविराम ऐसे दौर में है जैसे कोई डॉक्टर कहे कि आपके प्रियजन के बचने की संभावना सिर्फ एक प्रतिशत है। ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघर गालिबफ ने कहा कि तेहरान किसी भी टकराव के लिए पूरी तरह तैयार है।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमारे सशस्त्र बल किसी भी हमले का जवाब देने और हमलावर को सबक सिखाने के लिए तैयार हैं। खराब रणनीति और गलत फैसलों का नतीजा हमेशा खराब ही होता है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, तेहरान ने अपने प्रस्ताव में ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी खत्म करने और पूरे क्षेत्र में सैन्य कार्रवाई रोकने की मांग की थी। इसमें लेबनान में हिजबुल्ला को निशाना बनाने वाले इजरायली हमलों को रोकने की बात भी शामिल थी।

विदेश मंत्रालय ने उन ईरानी संपत्तियों को भी मुक्त करने की मांग की है, जो लंबे समय से प्रतिबंधों के कारण विदेशों में फ्रीज हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकाई ने कहा, हमने किसी तरह की रियायत नहीं मांगी है। हमने केवल ईरान के वैध अधिकारों की मांग की है।

गुरदासपुर-पंडोरी रोड से गांव वाड़ा तक सड़क निर्माण का रखा नींव पत्थर, 50 लाख की लागत से बनेगी रोड

» प्रथम न्यूज । गुरदासपुर
12 मई (संदीप सन्नी)

विधानसभा क्षेत्र गुरदासपुर के सर्वांगीण विकास की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए हलका इंचार्ज रमन बहल ने गांव वाड़ा में एक महत्वपूर्ण विकास प्रोजेक्ट की शुरुआत की। उन्होंने गुरदासपुर–पंडोरी रोड से गांव वाड़ा तक सड़क निर्माण कार्य का नींव पत्थर रखा, जिस पर कुल 50 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य एडवोकेट सुच्चा सिंह मुल्तानी और भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

आवाजाही की समस्या का होगा स्थायी समाधान

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए रमन बहल ने बताया कि इस सड़क के बनने से इलाके के लोगों को यातायात में बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने परियोजना का विवरण देते हुए कहा कि गांव वाड़ा के पास ड्रेन (नाले) पर 36 लाख रुपए की लागत से एक नए पुल का निर्माण किया जाएगा और 14 लाख रुपए सड़क की मजबूती व निर्माण पर खर्च होंगे।

विकास की राजनीति ही प्राथमिकता- बहल

बहल ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य करवा रही है। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों में गुरदासपुर विधानसभा क्षेत्र के गांवों और शहर में पारदर्शिता के साथ अनगिनत लोक हितैषी कार्य किए गए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, मैं विकास की राजनीति में विश्वास रखता हूं और जनता की सेवा ही मेरी पहली प्राथमिकता है। हल्के के निवासियों की सुविधाओं के लिए मैं 24 घंटे हाजिर हूं। ग्रामीणों ने इस विकास कार्य की शुरुआत के लिए पंजाब सरकार और रमन बहल का आभार व्यक्त किया।

परिवार संग टॉय ट्रेन में सफर कर भावुक हुए राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया

चंडीगढ़ (एएम नाथ)– पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने अपने परिवार के साथ विश्व प्रसिद्ध कालका–शिमला टॉय ट्रेन में सफर कर हिमालय की खूबसूरत वादियों का आनंद लिया। इस यादगार यात्रा के दौरान उन्होंने प्रकृति की अनुपम छटा, पहाड़ों की शांति और परिवार के साथ बिताए गए पलों को बेहद खास बताया।

राज्यपाल ने अपनी यात्रा के अनुभव साझा करते हुए कहा कि शिमला की सुरम्य वादियों से कालका तक टॉय ट्रेन की मनोहारी यात्रा परिवार के साथ एक अविस्मरणीय अनुभव रही। उन्होंने कहा कि प्रकृति की अद्भुत सुंदरता, पहाड़ों की शांत फिजाएं और अपनों का साथ जीवन में नई ऊर्जा और आत्मिक आनंद भर देता है।

उन्होंने आगे लिखा कि हिमालय की गोद में बिताए गए ऐसे क्षण हमेशा स्मृतियों में संजोए रहते हैं। यात्रा के दौरान राज्यपाल ने रास्ते में आने वाली हरियाली, सुरंगों, पुलों और पर्वतीय दृश्यों का भरपूर आनंद लिया। टॉय ट्रेन की धीमी रफ्तार और प्राकृतिक वातावरण ने इस सफर को और अधिक खास बना दिया।

कालका–शिमला रेलमार्ग अपनी ऐतिहासिक पहचान और प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। पहाड़ों के बीच गुजरती यह रेल यात्रा पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र मानी जाती है। राज्यपाल की इस यात्रा ने एक बार फिर हिमाचल प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता और पर्वतीय पर्यटन की विशेष पहचान को उजागर किया है।